सोमवार, 31 अगस्त 2026
भाद्र, कृ.प., तृतीया, विक्रमीय संवत् 2083
मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)
वर्ष : 21, संख्या : 268, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483
www.bharatmitranews.com

भारतमित्र

प्रथम प्रकाशन 1878

मेसी के 4 गोल से इंटर मियामी जीता, लीग में सीजन के टॉप गोल स्कोरर बने पेज-8

BHARATMITRA, KOLKATA, MONDAY, 31 AUGUST 2026

मेसी कांड पर शुभेंदु सरकार ने लिया ठोस फैसला

लौटाएंगे सभी दर्शकों के पैसे : सीएम

कोलकाता, नि.सं.। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी को देखने के लिए टिकट खरीदकर साल्ट लेक स्टेडियम पहुंचे करीब 33 हजार दर्शकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मेसी के कोलकाता इवेंट के टिकट का पैसा वापस करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि रिफंड की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसका भुगतान राज्य के खेल बजट से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेसी को देखने की उम्मीद में बड़ी संख्या में आम लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई खर्च की थी। उन्होंने एक डिलीवरी वर्कर का उदाहरण देते हुए कहा कि उसने मेसी को देखने के लिए पूरे साल की बचत खर्च कर दी थी। ऐसे दर्शकों के साथ जो हुआ, वह स्वीकार्य नहीं है। गौरतलब है कि टिकट की कीमत करीब चार हजार से आठ हजार रुपये तक बताई गई थी। कार्यक्रम की अव्यवस्था और वीआईपी संस्कृति को लेकर सरकार और आयोजकों पर सवाल उठे थे।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य के खेल प्रशासन में राजनीतिक हस्तक्षेप खत्म करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल संगठनों की जिम्मेदारी ऐसे लोगों को दी जानी चाहिए, जिन्हें खेल की वास्तविक समझ और अनुभव हो। उनका कहना था कि खेल संस्थाओं का संचालन राजनीतिक हितों के बजाय खिलाड़ियों और खेल के हित में होना चाहिए। उन्होंने राज्य में खेल ढांचे को मजबूत करने के लिए 400 करोड़ रुपये के खेल बजट की घोषणा भी की।

योजना के तहत राज्य के सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में ह्यश्री अरविंदो स्टेडियमह्ल नाम से मिनी इंडोर स्टेडियम बनाए जाएंगे। सरकार ने इस वर्ष 100 स्टेडियम तैयार करने का लक्ष्य रखा है।

आठ खिलाड़ियों को पुलिस में नौकरी

कार्यक्रम में खेल प्रतिभाओं को लेकर भी कई घोषणाएं की गईं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2015 से मुख्यमंत्री कार्यालय में लंबित खिलाड़ियों की नियुक्ति से जुड़ी फाइलों को अब मंजूरी दे दी गई है। कार्यक्रम के दौरान आठ खिलाड़ियों को पुलिस कांस्टेबल के पद पर नियुक्ति के पत्र सौंपे गए। इसके साथ ही 145 खेल हस्तियों को कुल 4.31 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सरकार ने इसे नई खेल कल्याण पहलों और ह्यअटल खेल सम्मानह्ल जैसी योजनाओं के तहत प्रोत्साहन के रूप में बताया।

नेपाल में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में 898 कर्मचारी फंसे

- 6 इंच छेद कर पाइप से हवा पहुंचाई
- बाढ़ से अब तक 804 मौतें

काठमांडू । नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 ह्यएचह्ल हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 804लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है।

अपनों की तलाश में परिजन

नेपाल में भयानक अचानक आई बाढ़ के पांच दिन बाद भी, लापता लोगों की तलाश समय के साथ एक मुश्किल दौड़ बन गई है। परिवार वाले काठमांडू के अस्पतालों में अपने प्रियजनों की कोई खबर या सुराग पाने की उम्मीद में जा रहे हैं। रविवार को लापता लोगों के रिश्तेदार उनकी तलाश करते रहे, इस उम्मीद में कि शायद कोई जीवित मिल जाए या उनके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी मिल सके। लापता परिवार के सदस्य की तलाश कर रहे केशव कहते हैं, 'मैं यहां अपने भाई के बेटे को ढूंढने आया हूं। उसे ढूंढते हुए मुझे पांच दिन हो गए हैं'।

जोड़ाबागान में सरेआम गोलीबारी, युवक घायल, आरोपित फरार

कोलकाता, नि.सं.। कोलकाता के जोड़ाबागान इलाके में शनिवार देर रात एक व्यक्ति को निशाना बनाकर गोली चलाने की घटना से सनसनी फैल गई। गोली लगने से घायल व्यक्ति को तत्काल कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उसकी हालत फिलहाल स्थिर है।

पुलिस के अनुसार, घटना पोस्ता इलाके में पीके ठाकुर घाट के सामने शनिवार रात करीब 12 बजकर पांच मिनट पर हुई। आरोपित की पहचान अमित सोनकर उर्फ कार्तिक के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह कुछ दोस्तों के साथ घाट के सामने पहुंचा था। वहीं अमित की संतोष चौधरी नामक व्यक्ति से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसी दौरान आरोप है कि अमित ने संतोष को निशाना बनाकर गोली चला दी और अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने घटना को देखते ही आरोपितों का पीछा किया। घायल संतोष को मौके से उठाकर अस्पताल पहुंचाया गया। घायल के रिश्तेदार आकाश चौधरी ने घटना को लेकर पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर जोड़ाबागान थाने की पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद को हमले की संभावित वजह माना जा रहा है। हालांकि, घटना के पीछे कोई अन्य कारण था या नहीं, इस-ाकी भी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपित और घायल के बीच संबंध तथा विवाद के अन्य पहलुओं को भी खंगाल रही है।

पीएम मोदी ने महानायक को किया याद

कोलकाता, नि.सं.। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम में बंगला सिनेमा के महानायक उत्तम कुमार को श्रद्धांजलि दिए जाने पर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अपने कार्यालय से प्रधानमंत्री के ह्यमन की बातह्ल के नवीनतम संस्करण को सुना। उन्होंने कहा कि यह पश्चिम बंगाल के लिए गर्व और खुशी का विषय है कि प्रधानमंत्री ने भारतीय और बंगाली सिनेमा के महानायक उत्तम कुमार को उनकी सौवीं जन्म शताब्दी के अवसर पर याद किया। उत्तम कुमार की सौवीं जन्म शताब्दी तीन सितंबर को मनाई जाएगी।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तम कुमार की अद्वितीय सिनेमाई प्रतिभा, आकर्षण और अमिट कलात्मक विरासत को बेहद खूबसूरती से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तम कुमार का कालजयी अभिनय आज भी बंगाली सिनेमा की सांस्कृतिक पहचान को परिभाषित करता है और दुनिया भर की नई पीढ़ी के कहानीकारों तथा सिनेमा प्रेमियों को प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर बंगाल के प्रिय महानायक उत्तम कुमार की अमर विरासत का सम्मान और स्मरण किया।

शिक्षक नियुक्ति पर अवधि बढ़ाने की मांग

कोलकाता, नि.सं.। पश्चिम बंगाल में 26 हजार शिक्षकों की भर्ती का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। 2016 के भर्ती पैनल को रद्द करने के बाद शीर्ष अदालत के निर्देश पर शुरू हुई नई भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए स्कूल सर्विस कमीशन और राज्य सरकार ने एक बार फिर अतिरिक्त समय मांगा है।

मौजूदा समयसीमा 31 अगस्त को समाप्त हो रही है और आयोग चाहता है कि उसे 31 मई 2027 तक यानी करीब आठ महीने का और वक्त दिया जाए। इस याचिका पर सोमवार को न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति सचिन सचदेवा की पीठ सुनवाई करेगी। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि हजारों अभ्यर्थियों की नियुक्ति का भविष्य इसी प्रक्रिया से जुड़ा है। वहीं, पहले से लंबा खिंच रहा भर्ती विवाद अब समयसीमा बढ़ाने के सवाल पर फिर शीर्ष अदालत के सामने होगा। 2016 की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पैनल रद्द कर दिया था। इसके बाद अदालत की निगरानी में नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई। आयोग को इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए पहले 31 दिसंबर 2023 तक का समय दिया गया था। बाद में समयसीमा बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

तुर्किये ले जा रही नाव पलटी, सात मरे, 24 लापता

अंकारा/निकोसिया, एजेंसी। नॉर्थ साइप्रस के तट से निकलने के कुछ देर बाद रविवार दोपहर को एक 270 लोगों को ले जा रही पैसेंजर फेरी पलट गई। रॉयटर्स ने तुर्की साइप्रस की मीडिया के हवाले से जानकारी देते हुए बताया कि अभी यह जानकारी नहीं पता चल सकी है कि कोई हताहत हुआ है या नहीं. लेकिन रेस्क्टू ऑपरेशन चल रहा है। एसोसिएट प्रेस की मानें तो कैटामरन स्टाइल वाली यह फेरी जातीय रूप से बंटे साइप्रस के अलग हुए उत्तरी हिस्से में स्थित कायरिनिया बंदरगाह से मेर्सिन प्रांत के तुर्की बंदरगाह तासुकु जा रही थी। स्थानीय किब्रिस अखबार की मानें तो तट से लगभग चार मील दूर फेरी में पानी भरने लगा था. अखबार ने जानकारी दी कि घटनास्थल पर एम्बुलेंस भेजी गई थीं। इधर एएफपी ने बताया कि उत्तरी साइप्रस के तुर्की (जो बंटे हुए साइप्रस द्वीप के उत्तरी एक तिहाई हिस्से का प्रशासन संभालता है) के हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि बचाव और स्वास्थ्य सेवाओं की ओर से त्वरित प्रतिक्रिया के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

एपी की अनुसार नॉर्थ साइप्रस के ट्रांसपोर्टेशन मंत्री एरहान अरिकली ने तुर्की के सरकारी टीआरटी समाचार चैनल को बताया कि जहाज पलट गया था। बचाव दल पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद थे। ब्लूमबर्ग की मानें तो अबतक लगभग 100 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। कायरिनिया लाया गया है। साथ रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि जहाज में पानी किस वजह से भरा है। हालांकि, कई कंपनियां कायरिनिया और तासुकु के बीच व्यस्थ मार्ग पर फेरी चलाती हैं लेकिन अभी यह पता नहीं पाया है कि पलटने वाली फेरी किस कंपनी की थी।

पटना में संदिग्ध परिस्थितियों में चार युवकों की मौत

पटना, एजेंसी । बिहार में पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल के बेढना गांव के सैदपुर टोला में र-विवार को संदिग्ध परिस्थितियों में चार युवकों की मौत हो गई। शुरूआती जानकारी में मौत की वजह जहरीली शराब पीना बताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृतकों की पहचान रामाकांत सिंह के पुत्र शशि कुमार, बिरजू राम के पुत्र विकास राम, नंदे सिंह के पुत्र पंकज सिंह और राजू सिंह के पुत्र निशु कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बाढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रामकृष्ण ने बताया कि चार युवकों की मौत की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम

जहरीली शराब की आशंका

पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय उज्बेकिस्तान यात्रा कई ऐतिहासि-ाक समझौतों और उपलब्धियों के साथ संपन्न हो गई। यात्रा के दौरान यूरेनियम सप्लाई पर सहमति बन गई है।

उज्बेकिस्तान ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑली दाराजली डस्टलिक' से नवाजा है। पीएम मोदी को रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने अपने देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान ओली दा-राजली डस्टलिक से सम्मानित किया।

यह पीएम मोदी को मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। पीएम मोदी ने रविवार को पुष्टि की कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति का समझौता होगा। उम्मीद है कि यह कदम भारत की परमाणु ऊर्जा योजनाओं को दीर्घकालिक रूप से आगे बढ़ाने में सहायक होगा। भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र यूपीआई को भी उज्बेकिस्तान में विस्तार मिलने जा रहा है।

- यूरेनियम आपूर्ति पर दोनों देशों के बीच हुआ समझौता
- उज्बेकिस्तान में यूपीआई से भुगतान की सुविधा

एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और उज्बेकिस्तान के नेशनल इंटरबैंक प्रोसेसिंग सेंटर (एनआईपीसी) के बीच वाणिज्यिक समझौता हुआ है। इसके तहत भारत के यूपीआई ऐप से उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय क्यूआर कोड यूजेडक्यूआर को स्कैन कर व्यापारिक भुगतान किया जा सकेगा। इसके अलावा गुजरात और उज्बेकिस्तान के समरकंद क्षेत्र के बीच साझेदारी संबंध स्थापित करने के लिए भी सहयोग समझौता हुआ है।

बात पते की... श्याम जगोता

नदिया सीमा पर 25 करोड़ का सोना जब्त, महिला हिरासत में

दीपंकर एडबार

नदिया । भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते करीब 25 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की बड़ी खेप बांग्लादेश भेजने की कथित कोशिश को बीएसएफ ने नाकाम कर दिया। नदिया के बनपुर सीमा क्षेत्र से 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद किया गया है। मामले में एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बीएसएफ की 32वीं बटालियन की कार्रवाई के बाद अब जांच एजेंसियों की नजर इस बात पर है कि इतनी बड़ी मात्रा में सोना सीमा तक कैसे पहुंचा और इसके पीछे कौन-सा नेटवर्क काम कर रहा था। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, बनपुर सीमा क्षेत्र से भारी मात्रा में सोने की तस्करी की सूचना पहले ही मिल गई थी। इनपुट मिलने के बाद इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई थी। खासकर रात के समय जवानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए थे। इसी दौरान जवानों ने सीमा क्षेत्र में एक स्थानीय महिला की संदिग्ध गतिविधियां देखीं। संदेह के आधार पर उसे रोककर पूछताछ की गई।

इसके बाद महिला की तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में सोना बरामद हुआ। बीएसएफ के अनुसार, बरामद सोने का कुल वजन 15.607 किलो है और इसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 25 करोड़ रुपये है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि सोने की यह खेप बांग्लादेश में तस्करी के लिए सीमा क्षेत्र में लाई गई थी। हालांकि, जांच के लिए सबसे अहम सवाल अब यह है कि महिला की भूमिका क्या थी। क्या वह केवल ह्यकैरियरह्ल के तौर पर इस्तेमाल की जा रही थी या सीमा के इस पार सक्रिय किसी बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा थी? जांचकर्ता इस दिशा में भी पूछताछ कर रहे हैं।

इतनी बड़ी खेप की बरामदगी ने सोने की सप्लाई चेन को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि सोना कहां से हासिल किया गया था, इसे सीमा तक कौन लेकर आया और सीमा पार करने के बाद इसे किसे सौंपा जाना था। महिला के संपर्कों और संभावित वित्तीय लेन-देन की भी जांच की जा सकती है। जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू सीमा पार मौजूद संभावित ह्यरिसीवरह्ल तक पहुंचना है। यदि यह पता चलता है कि बांग्लादेश में सोना किस व्यक्ति या गिरोह को सौंपा जाना था, तो पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में मदद मिल सकती है। इसी तरह सीमा के भारतीय हिस्से में खेप पहुंचाने वाले लोगों की पहचान भी जांच का अहम हिस्सा होगी। बनपुर क्षेत्र में पहले भी सोना तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। बीएसएफ ने बरामद सोना जब्त कर लिया है और हिरासत में ली गई महिला से पूछताछ जारी है।

बड़े तस्करी नेटवर्क की तलाश

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

नगरपालिका चुनाव में जीतने की क्षमता ही टिकट का पैमाना

कोलकाता। दुर्गापूजा की तैयारियों के साथ ही कोलकाता और हावड़ा नगर निगम चुनाव का सियासी बिगुल बजने की उम्मीद है। समय कम है और सत्ता में आई भाजपा ने दोनों नगर निगमों पर कब्जे की रणनीति तेज कर दी है। उम्मीदवार चयन को लेकर पार्टी ने अपना फॉर्मूला भी लगभग साफ कर दिया है–संगठन में पुराना होना या नया जुड़ना नहीं, चुनाव जीतने की क्षमता ही टिकट का सबसे बड़ा आधार होगी। कोलकाता नगर निगम चुनाव के प्रभारी और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में उम्मीदवार चयन की रणनीति स्पष्ट की।

लोकप्रियता, जनाधार और जीत की संभावना पर फोकस सुकांत ने कहा कि टिकट के लिए उम्मीदवार की लोकप्रियता, आम लोगों के बीच पहचान और उसके कामकाज को बारीकी से परखा जाएगा। सुकांत ने कहा, ‘जो जीत सकता है, टिकट उसी का है। उम्मीदवार के जीतने की संभावना कितनी है, यही अंतिम निर्णय का आधार होगा।’ उन्होंने संगठनात्मक जिम्मेदारी और चुनावी टिकट के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि संगठन में पद देने के लिए किसी नेता के अनुभव और दक्षता को देखा जा सकता है, लेकिन चुनाव के मैदान में सबसे महत्वपूर्ण कसौटी जीत है। कोलकाता-हावड़ा के लिए दो दिग्गजों को जिम्मेदारी भाजपा ने कोलकाता और हावड़ा नगर निगम चुनाव की तैयारियों के लिए अपने दो अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। कोलकाता की कमान सुकांत मजूमदार के हाथ में है, जबकि हावड़ा नगर निगम के प्रभारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद राहुल सिन्हा बनाए गए हैं। ‘ह्यनव्य भाजपाई’ पर सुकांत का तंज उम्मीदवार चयन में नए यानी ‘ह्यनव्य’ भाजपाइयों को मौका मिलेगा या नहीं, इस सवाल पर सुकांत ने कहा कि फिलहाल इस संबंध में कोई अलग फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, इसके बाद उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा, ‘नव्य भाजपाई फिर कौन हैं? किसी को भी तो नए सिरे से पार्टी में शामिल नहीं कराया गया है। अब अगर कोई खुद को भाजपा नेता मानता है, तो कुछ नहीं किया जा सकता।

बंगाल के किडनी तस्करी गिरोह का बांग्लादेश से संबंध उजागर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में किडनी तस्करी के एक कथित गिरोह की जांच के दौरान पुलिस के हाथ चौंकाने वाली जानकारी लगी है। जांच में इस गिरोह के तार बांग्लादेश से जुड़े होने का संबंध सामने आया है। बंगाल एसटीएफ ने शनिवार रात को बागुईआटी के आठघड़ा फूलतला इलाके से बांग्लादेशी नागरिक रसेल अहमद को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उसे विधाननगर दक्षिण थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, रसेल अहमद को इससे पहले वर्ष 2024 में भी किडनी तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उस समय दिल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में लिया था। जांच में सामने आया था कि रसेल बांग्लादेशी नागरिक होने के बावजूद भारत में प्रवेश कर अवैध तरीके से आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवाकर रह रहा था। आरोप है कि वह पश्चिम बंगाल में किराये के मकान में रहकर किडनी तस्करी के नेटवर्क को फैलाने में सक्रिय था और उसने कई अन्य लोगों को भी इस गिरोह से जोड़ा था।

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले पुलिस ने किडनी तस्करी गिरोह से जुड़े प्रभास मंडल नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान उसके बयान से रसेल अहमद का नाम सामने आने के बाद एसटीएफ ने उसके खिलाफ कार्रवाई की। मिली जानकारी के अनुसार, भारत-बांग्लादेश सीमा क्षेत्र में इस कथित किडनी तस्करी नेटवर्क के तार फैले हुए हैं। गत 18 अगस्त को एक पीड़ित व्यक्ति के पिता ने पहली शिकायत दर्ज कराई थी।

एलजेपी (आर) का रक्तदान शिविर

दुर्गापुर। जरूरतमंद मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) यानी एलजेपी (आर) के दुर्गापुर नंबर-3 ब्लॉक की ओर से रविवार को मायाबाजार इलाके में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष सिकंदर मल्लिक के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और 55 से अधिक लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की।

आसनसोल जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में रक्त संग्रह के लिए अस्पताल की ओर से विशेषज्ञ चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम के साथ सभी आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई थी। शिविर के दौरान रक्तदाताओं की स्वास्थ्य जांच के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एलजेपी (आर) के राज्य महासचिव संजय महाली और पश्चिम बर्दवान जिला अध्यक्ष गौर पाल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पार्टी की महिला मोर्चा नेत्री दीपाली घोष, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजा बेग और एससी-एसटी मोर्चा के जिला स्तरीय नेता आजाद सिंह सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। शिविर के समापन पर सभी रक्तदाताओं को उनके योगदान के लिए आयोजकों की ओर से प्रमाण-पत्र, मिठाई का पैकेट, फूलों का गुलदस्ता और उत्तरीय देकर सम्मानित किया गया।

ठेका मजदूरों के अधिकारों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

पश्चिम बर्दवान। सेल ग्रोथ वर्क्स में कार्यरत ठेका श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने आवाज बुलंद की है। कांग्रेस नेता राजेश्वर शर्मा ने श्रमिकों को उचित वेतन, पीएफ, ईएसआई और मेडिकल सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए प्रबंधन से उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

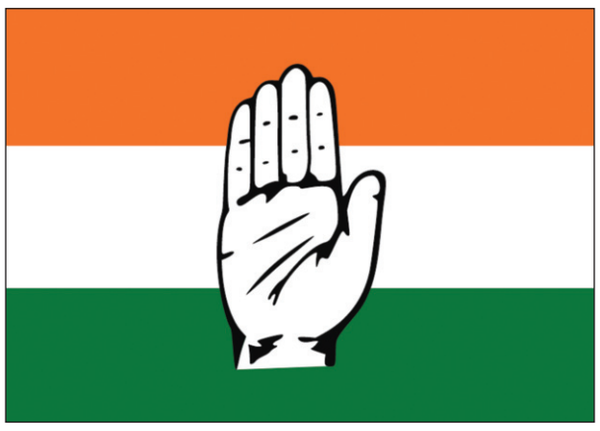

राजेश्वर शर्मा ने कहा कि ग्रोथ वर्क्स में कार्यरत ठेका श्रमिकों से दिन-रात मेहनत कराई जाती है, लेकिन उन्हें उनके अधिकारों के अनुरूप सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने प्रत्येक ठेका श्रमिक के लिए न्यूनतम 26 हजार रुपये मासिक वेतन की मांग की। साथ ही उन्होंने ठेका श्रमिकों को पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी और मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने तथा कार्यस्थल पर पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को सरकार द्वारा निर्धारित सभी आवश्यक सुविधाएं मिलनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने जल्द ही श्रमिकों की समस्याओं और मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो इंटक के बैनर तले बड़ा आंदोलन किया जाएगा। श्रमिकों के अधिकारों और उनके रोजगार की सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा और कांग्रेस मजदूरों के हितों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रहेगी। इस चेतावनी के बाद कुल्टी के औद्योगिक क्षेत्र में ठेका श्रमिकों के मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

केले से लदी लारी अनियंत्रित होकर टकराई

चौरंगी मोड के आसनसोल सर्विस रोड पर हादसा

कुल्टी। आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के कुल्टी थाना अंतर्गत चौरंगी मोड के आसनसोल सर्विस रोड पर दो लॉरी की भीषण टक्कर हो गई। जिसमें लारी का चालक तथा खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि चौरंगी फाड़ी क्षेत्र के 19 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग के चौरंगी मोड से आसनसोल की ओर जाने वाली सर्विस रोड से गुवाहाटी से आसनसोल की ओर जा रही केले से लदी एक लॉरी अनियंत्रित होकर सर्विस रोड पर खड़ी दूसरी लॉरी के पीछे जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि केले से लदी लॉरी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में लॉरी का चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। खलासी काफी देर तक लॉरी के केबिन में फंसा रहा। वहीं घटना की सूचना मिलते ही चौरंगी फाड़ी पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। तथा पुलिस ने तत्काल दोनों घायलों को बाहर निकाला और अपनी एंबुलेंस से आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया। टक्कर के कारण आगे खड़ी लॉरी सड़क से नीचे उतर गई। उसके चालक को मामूली चोटें आईं, लेकिन वह सुरक्षित बताया जा रहा है। इस घटना से कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा परन्तु बाद में क्रेन की मदद से दोनों लॉरियों को सड़क से हटाया गया।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी का आरोप

पूर्व तृणमूल नेता राजीव घोषाल गिरफ्तार

दुर्गापुर। नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये लेने के आरोप में कभी अभिषेक बनर्जी के करीबी माने जाने वाले तृणमूल नेता राजीव घोषाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शनिवार रात कोलकाता से गिरफ्तारी के बाद रविवार को उन्हें बांकुड़ा जिला अदालत में पेश किया गया। अदालत ले जाते समय बेलियातोड़ थाना क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने उनके खिलाफ ह्यचोर-चोरह्ण के नारे लगाए।

राजीव घोषाल बांकुड़ा के बेलियातोड़ इलाके में एक प्रभावशाली तृणमूल नेता के तौर पर जाने जाते थे। तृणमूल युवा संगठन के गठन के शुरूआती दौर में उन्हें बांकुड़ा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी दौरान वह तत्कालीन युवा नेता अभिषेक बनर्जी के करीबी नेताओं में शामिल हुए थे।

मामले की शुरूआत कुछ महीने पहले हुई, जब बेलियातोड़ के एक निवासी ने थाने में स्थानीय तृणमूल नेता पल्लब पांडे के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता का आरोप था कि बड़े ब्लॉक स्वास्थ्य केंद्र में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उससे 4 लाख 20 हजार रुपये लिए गए थे। हालांकि, न तो उसे नौकरी मिली और न ही बार-बार मांगने के बावजूद रकम वापस की गई।

शिकायत के आधार पर बेलियातोड़ पुलिस ने जांच शुरू की और पल्लब पांडे को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान राजीव घोषाल का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस ने शनिवार रात कोलकाता में कार्रवाई करते हुए राजीव घोषाल को गिरफ्तार कर लिया।

रविवार को बेलियातोड़ पुलिस ने गिरफ्तार तृणमूल नेता को बांकुड़ा जिला अदालत में पेश किया। इस दौरान अदालत ले जाते समय स्थानीय लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की।

दुर्गापुर स्टील पीपुल्स को ऑपरेटिव बैंक में 40 करोड़ से अधिक का घोटाला

मंत्री ने दिए सख्त जांच के निर्देश

दुर्गापुर। दुर्गापुर स्टील पीपुल्स कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप सामने आने से बैंकिंग एवं राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि बैंक में करीब 40 करोड़ 60 लाख 51 हजार 565 रुपये का वित्तीय घोटाला हुआ है।

शनिवार दोपहर राज्य के खाद्य एवं सहकारिता मंत्री अशोक कीर्तनिया ने दुर्गापुर के बेनाचिति स्थित बैंक की मुख्य शाखा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बैंक के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक कर बैंक की वित्तीय स्थिति और कथित अनियमितताओं की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण और समीक्षा बैठक के बाद मंत्री ने अधिकारियों से बातचीत करते हुए कहा कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार बैंक में कुल 40,60,51,565 रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई है। उन्होंने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई कि ऋण स्वीकृति के दौरान नियमों और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना इतनी बड़ी रकम कैसे जारी कर दी गई।

मंत्री ने बैंक के ऋण विभाग से जुड़े अधिकारियों से सीधे सवाल किया कि आखिर इन ऋणों को किसके निर्देश और किसकी मंजूरी पर स्वीकृत किया गया। इस मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों से सख्ती से पूछताछ की गई।

मंत्री अशोक कीर्तनिया ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कथित भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में कोई अधिकारी या कर्मचारी सेवानिवृत्त भी हो चुका है, तो उसे भी कार्रवाई से छूट नहीं मिलेगी। जरूरत पड़ने पर दोषियों की निजी संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया भी अपनाई जा सकती है।

बैंक की आंतरिक व्यवस्था में सुधार लाने के उद्देश्य से मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि लंबे समय से एक ही विभाग में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों की पहचान कर उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित किया जाए, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

सहकारिता विभाग के सूत्रों के अनुसार, बैंक की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बहाल करने और आम जमाकताओं के हितों की रक्षा के लिए मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस कथित वित्तीय घोटाले को लेकर फिलहाल दुर्गापुर के बैंकिंग और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है।

डीवीसी आरटीपीएस सीएसआर ने आयोजित किया फुटबॉल टूर्नामेंट

पंचेत। नेशनल स्पोर्ट्स डे के मद्देनजर डीवीसी आरटीपीएस के सीएसआर द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस दौरान फुटबॉल टूर्नामेंट में चार स्कूलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। फुटबॉल टूर्नामेंट फाइनल में, नीलडीह हाई स्कूल ने नारागोरिया डीडी हाई स्कूल को 2-0 गोल से हराकर फाइनल जीता। इस अवसर पर जीएम एंड हेड ऑफ प्रोजेक्ट अविजित घोष मौजूद थे। उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि खेल ही एक ऐसा माध्यम है जिसको जरिया बनाकर सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचा जा सकता है। उन्होंने टीमों और प्लेयर्स को विजेता ट्रॉफी, रनर्स ट्रॉफी और दूसरी ट्रॉफी प्रदान कर उन्हें पुरस्कृत किया। फुटबॉल टूर्नामेंट में निवेदानंद मंडल (जीएम सिविल), सोमनाथ सरकार (जीएम ओ एंड एम), पारस राणा (डीसी सीआईएसएफ), गोपा चक्रवर्ती (डीजीएम सीएसआर) और डीवीसी के कई अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी खिलाड़ियों की हिम्मत बढ़ाने के लिए मौजूद थे।

रेल समाचार

तीर्थयात्रियों के लिए बेहतरीन सुविधाएं और ट्रेनों का सुचारू संचालन

कोलकाता। पूर्व रेलवे ने महाप्रबंधक गीतिका पांडे के कुशल नेतृत्व में, श्रावणी मेला 2026 के दौरान व्यापक परिचालन योजना और यात्रियों के लिए सुविधाओं के बेहतरीन प्रबंधन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। जमीनी स्तर पर बारीकी से निगरानी करते हुए, महाप्रबंधक सुश्री पांडे ने आसनसोल के डीआरएम श्री संग्रह मौर्य, हावड़ा के डीआरएम विशाल कपूर, विभागों के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर प्रमुख स्टेशनों और मेला क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया। इन दौरों के दौरान, शीर्ष प्रबंधन ने सुविधाओं का खुद जायजा लिया और हजारों तीर्थयात्रियों से सीधे बातचीत की ताकि रियल-टाइम फीडबैक मिल सके और तीर्थयात्रा आरामदायक, सुरक्षित और सुचारू बनी रहे।

त्योहार की अवधि के दौरान पूर्वी रेलवे ने अपने नेटवर्क पर तीर्थयात्रियों के प्रबंधन में शानदार नतीजे हासिल किए। 28 अगस्त तक, छह प्रमुख रिपोर्टिंग स्टेशनों पर कुल 75.2 लाख (7,521,710) तीर्थयात्रियों का प्रबंधन किया गया, जो 2025 के कुल 6,804,716 तीर्थयात्रियों की तुलना में 10.54% की वृद्धि दर्शाता है। बासुकीनाथ (+24.67%), तारकेश्वर (+19.91%) और देवघर (+15.45%) में वृद्धि विशेष रूप से अधिक रही। एक दिन में सबसे ज्यादा तीर्थयात्रियों के प्रबंधन के आंकड़ों में 3 अगस्त, 2026 को तारकेश्वर में 159,108 और 17 अगस्त, 2026 को जसीडीह में 92,898 तीर्थयात्री शामिल थे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को सुचारू रूप से संभालने के लिए, पूर्वी रेलवे ने सभी प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक परिचालन बुनियादी ढांचा तैनात किया। भीड़ की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए खास होल्डिंग और असेंबली एरिया बनाए गए थे।

महत्वपूर्ण 60 किग्रा डायमंड क्रॉसिंग रूपांतरण कार्य पूरा

कोलकाता। सुरक्षित, सुचारु एवं विश्वसनीय रेल परिचालन को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, पूर्व रेलवे ने 29/30 अगस्त की मध्यरात्रि के दौरान सियालदह यार्ड में 7 घंटे का सफल मेगा ट्रैफिक ब्लॉक निष्पादित किया। पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के मार्गदर्शन में सियालदह स्टेशन की सीमा के अंतर्गत केएम 0/19ह्न 0/20 में डाउन/ मेन लाइन पर 00:00 बजे से 07:00 बजे तक अवसंरचनात्मक उन्नयन कार्य किया गया।

इस कार्य के तहत डायमंड स्विच पॉइंट संख्या 208बी/219ए को 52 किग्रा से 60 किग्रा रेल में पूर्ण फिटिंग सहित परिवर्तित किया गया। इसमें 34.71 मीटर के 60 किग्रा रेल तथा 7, 6.5 मीटर लंबाई वाले 60 किग्रा प्रीफैब्रिकेटेड ग्लूड जॉइंट लगाए गए। स्थल पर सीमित स्थान की चुनौती के बावजूद, पुराने पॉइंट मशीनों को संबंधित ग्राउंड फिटिंग सहित बदला गया, जिससे ट्रैक संरचना का व्यापक उन्नयन पूरा किया जा सका। उत्कृष्ट अंतर-विभागीय समन्वय का प्रदर्शन करते हुए, सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन तथा ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन विभागों ने इंजीनियरिंग ट्रैफिक ब्लॉक का प्रभावी उपयोग करते हुए कई महत्वपूर्ण अतिरिक्त कार्य भी पूरे किए, जिनके लिए अलग से ट्रैफिक ब्लॉक लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

सियालदह मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, राजीव सक्सेना के प्रत्यक्ष नेतृत्व में सिग्नल एवं टेलीकम्युनिकेशन टीम ने पॉइंट संख्या 208बी को सीमेंस से आईआरएस पॉइंट मशीन में परिवर्तित किया। इसके साथ ही दो पुराने पॉइंट मशीनों को ग्राउंड फिटिंग सहित बदला गया, जे पी से पॉइंट मशीन तक नई टेल केबल बिछाई गई, 9 ग्लूड जॉइंट बदले गए, 20 ट्रैक एवं क्रॉस जंपर बदले गए तथा 44 बॉन्ड वायर का नवीनीकरण किया गया। इसके बाद एस एंड टी की पूर्ण टेस्टिंग एवं कमीशनिंग सफलतापूर्वक की गई। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, शिबराम मांझी ने कहा-ह्लयह सफल मेगा ब्लॉक उत्कृष्ट अंतर-विभागीय समन्वय का उदाहरण है। इसके माध्यम से सियालदह यार्ड की महत्वपूर्ण अवसंरचना को 60 किग्रा की अधिक भारी रेल मानक के अनुरूप सुचारु रूप से उन्नत किया गया और साथ ही रेल परिचालन में किसी भी अनावश्यक व्यवधान को शून्य रखा गया।

कोलकाता -अहमदाबाद एक्सप्रेस में लगेगा अतिरिक्त कोच

कोलकाता। लोकप्रिय एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाना यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की एक लगातार चलने वाली पहल है। इसी क्रम में, यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, रेलवे ने कोलकाताह्न अहमदाबाद एक्सप्रेस में अस्थायी तौर पर अतिरिक्त एयर-कंडीशन्ड (एसी) और स्लीपर क्लास कोच लगाने का फैसला किया है।

19413/19414 अहमदाबादह्न कोलकाताह्न अहमदाबाद एक्सप्रेस में एक एसी-3 टियर और एक स्लीपर क्लास कोच जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन अहमदाबाद से 02 सितंबर से 25 नवंबर तक (तय दिनों पर) और कोलकाता से 05 सितंबर से 28 नवंबर तक (तय दिनों पर) चलेगी। यह ट्रेन अब 20 कोच के बजाय 22 कोच के साथ चलेगी।

सुप्रभात

31 अगस्त 2026, सोमवार,व वर्ष मन्मथ (2083) भाद्र, कृ.प., ,तृतिया, सूर्योदय 5.17 ,सूर्यास्त 17. 57

आज का राशिफल

मेष आज का दिन ठीक रहने वाला है। स्वास्थ्य में हालात थोड़े बेहतर देखे जा सकते हैं, धन खर्च बना रहेगा।

वृषभ आज जॉब स्विच करने का विचार कर सकते हैं। आय के स्रोत में बदलाव देखा जा सकता है।

मिथुन अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी। बर्ताव के कारण कार्यस्थल पर बाधा आ सकती है।

कर्क आज बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं।

सिंह आज अचानक से मतभेद की स्थिति बन रही है। किसी छोटे से आपका विवाद हो सकता है।

कन्या वैवाहिक जीवन में आज परेशानी आ सकती है। हो सके तो पार्टनर के लिए सरप्राइज अरेंज करें।

तुला आज किसी लीगल मौटर में फंस सकते हैं, अदालत के चक्कर कट सकते हैं।

वृश्चिक आज मन कहीं घूमने जाने का कर सकता है। ज्ञान के लिए आप भटक सकते हैं।

धनु दिन सामान्य रहेगा। माता की सेहत हल्की बिगड़ सकती है। हड्डियों से जुड़ी दिक्कत दर्द दे सकती है।

मकर आज का दिन दोस्तों के साथ मतभेद की स्थिति को लेकर आ रहा है।

कुंभ आज कुछ समस्याएं आ सकती हैं। ससुराल पक्ष में मतभेद की स्थिति बनती नजर आ रही है।

मीन आज थोड़ा चिड़चिड़ा रह सकता है। आपको सलाह है कि अपने करियर को लेकर गंभीर रहें।

डेरेक ओ ब्रायन के घर पहुंची पुलिस, थमाई नोटिस

कोलकाता, नि.सं.। तृणमूल के राज्यसभा सांसद डेरक ओह्लब्रायन के घर रविवार सुबह शेक्सपियर सरणी थाने की पुलिस पहुंची। कमैक स्ट्रीट स्थित तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यालय से अवैध बिलबोर्ड हटाने के दौरान हुए विवाद में डेरेक का नाम भी सामने आया है। मामले में दर्ज प्राथमिकी में उन्हें आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने पूछताछ के लिए उनके घर पहुंचकर नोटिस दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस शनिवार को भी डेरेक के घर नोटिस देने पहुंची थी, लेकिन उस समय वह घर पर मौजूद नहीं थे। सुरक्षा कर्मियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी थी, जिसके कारण नोटिस नहीं दिया जा सका। इसके बाद रविवार सुबह पुलिस प्रिंस अनवर शाह

रोड स्थित उनके आवास पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने घर के नीचे तैनात सुरक्षा गार्ड से काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद एक सुरक्षा गार्ड को नोटिस सौंपकर पुलिस वहां से चली गई। सूत्रों के अनुसार, डेरेक को सोमवार को शेक्सपियर सरणी थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

दरअसल, गुरुवार शाम कोलकाता नगर निगम के अधिकारी कमैक स्ट्रीट स्थित अभिषेक बनर्जी के कार्यालय से एक बिलबोर्ड हटाने पहुंचे थे। आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस के नाम वाला यह बिलबोर्ड अवैध रूप से लगाया गया था। नगर निगम के मुताबिक, बिलबोर्ड खतरनाक तरीके से लटका हुआ था और इसी वजह से उसे हटाने की कार्रवाई की गई। इस दौरान अभिषेक बनर्जी और उनके समर्थकों पर नगर निगम के कर्मचारियों को काम करने से रोकने का आरोप लगा। पुलिस की मदद से कार्यालय में प्रवेश करने के दौरान जमकर हंगामा हुआ। पुलिसकर्मियों और नगर निगम के अधिकारियों के साथ मारपीट के भी आरोप लगाए गए हैं।

कैमक स्ट्रीट की घटना को लेकर शेक्सपियर सरणी थाने में तीन प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनमें एक शिकायत नगर निगम के अधिकारी ने की है, जबकि दूसरी शिकायत पार्क स्ट्रीट थाने के एक सहायक पुलिस निरीक्षक की ओर से दर्ज कराई गई है। सरकारी अधिकारियों को काम करने से रोकने और मारपीट के आरोपों के अलावा महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ की कोशिश के आरोप में भी मामला दर्ज किया गया है।

मामले में अभिषेक बनर्जी के अलावा डेरेक ओह्लब्रायन, वैश्वानर चट्टोपाध्याय और हुमायूं कबीर समेत कई लोगों के नाम आरोपित के तौर पर शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वैश्वानर और हुमायूं समेत अन्य आरोपितों को भी पूछताछ के लिए नोटिस दिया जा सकता है। पुलिस ने जांच के दौरान अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जेयू की दीवारों से हटाए गए विवादित नारे

कोलकाता, नि.सं.। जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर लिखे ह्यराष्ट्रविरोधीह्ल नारों को लेकर चल रहे विवाद के बीच विश्वविद्यालय प्रबंधन ने परिसर की कई दीवारों पर लिखे नारों और संदेशों को मिटा दिया है। इन दीवारों पर अब सफेद रंग कर दिया गया है। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निर्देश के बाद यह कार्रवाई की गई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि दीवारों की सफाई और रंग-रोगन नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है और पहले भी ऐसा किया जाता रहा है। पिछले कुछ दिनों से जादवपुर विश्वविद्यालय राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। बाहरी लोगों के कथित हमले और छात्रों के बीच हुई झड़प के बाद मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में लिखे कुछ नारों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि कला विभाग की दीवारों पर ह्यकिशनजी सलामह्ल और ह्यकश्मीर मांगे आजादीह्ल जैसे नारे क्यों लिखे जाते हैं। उन्होंने ऐसे दीवार लेखन को ह्यकचराह्ल बताते हुए उन्हें तत्काल हटाने का निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा था कि जादवपुर विश्वविद्यालय उत्कृष्टता का केंद्र है और नई पीढ़ी को ऐसे नारों के माध्यम से क्या संदेश दिया जा रहा है, इस पर विचार होना चाहिए। विश्वविद्यालय की कार्रवाई का एसएफआई ने विरोध किया है। एसएफआई नेता और विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र अंजिल दास ने रविवार को दावा किया कि परिसर की दीवारों पर लिखे कई नारे साम्राज्यवाद और फासीवाद विरोधी विचारों को दशार्ते थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि दीवार लेखन मिटाकर विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक राजनीतिक परंपरा को नुकसान पहुंचाया गया है। एसएफआई ने चेतावनी दी है कि दीवार लेखन की परंपरा को फिर से शुरू किया जाएगा।

डेबरा में भीषण सड़क हादसा, जीजा-साले की मौत

डेबरा, नि.सं.। डेबरा के चंडाबुड़ी मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर हुए भयावह सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। मृतक आपस में जीजा-साले बताए गए हैं। मृतकों की पहचान बालिचक निवासी अरुण सूर (48) और चंद्रकोना रोड निवासी अभिषेक सिन्हा (25) के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, दुर्घटना रविवार तड़के करीब 2:30 बजे कोलकाता जाने वाली लेन में हुई।

जानकारी के अनुसार, दोनों एक निजी कार से खड़गपुर की ओर से डेबरा की तरफ जा रहे थे। चंडाबुड़ी मंदिर के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और आगे चल रहे एक वाहन के पीछे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद अरुण और अभिषेक कार के अंदर गंभीर रूप से घायल अवस्था में फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने दोनों को कार से बाहर निकालकर डेबरा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।हादसे में दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। दुर्घटना की खबर पाकर बालिचक और चंद्र-कोना रोड स्थित दोनों परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई।

आद्रा स्टेशन की लिफ्ट में फंसे यात्री सुरक्षित निकाले गए

पुरुलिया, नि.सं.। आद्रा रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण एक बच्चे समेत कई महिला यात्री करीब तीन घंटे तक अंदर फंसे रहे। काफी मशक्कत के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना के बाद स्टेशन परिसर में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब सात बजे आद्रा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन और चार को जोड़ने वाली लिफ्ट तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते में अटक गई। उस समय लिफ्ट के अंदर एक बच्चे समेत कई महिला यात्री मौजूद थीं। काफी देर तक लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुलने के कारण अंदर फंसे

यात्रियों में घबराहट फैल गई। घटना की सूचना पाकर रेलवे प्रशासन के अधिकारी और आद्रा आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। कुछ देर बाद रेलवे के वरिष्ठ डीसीएम विकास कुमार समेत अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। लिफ्ट के अंदर फंसे यात्रियों तक रेलवे प्रशासन और आद्रा आरपीएफ की ओर से पानी की बोतलें और बिस्कुट भी पहुंचाए गए। रेलवे के अभियंताओं और आरपीएफ जवानों के करीब तीन घंटे के प्रयास के बाद आ-खरकार लिफ्ट का दरवाजा खोला गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

एक यात्री झरना दास ने बताया कि वह सुबह सात बजे से लिफ्ट के अंदर फंसी थीं और करीब पौने दस बजे बाहर निकल सकीं। उन्होंने कहा कि शुरूआत में उन्हें काफी परेशानी हुई, लेकिन बाद में पानी मिलने से कुछ राहत मिली। घटना के बाद यात्रियों ने लिफ्ट के रखरखाव और आपातकालीन व्यवस्था पर सवाल उठाए। यात्रियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन जैसी महत्वपूर्ण जगह पर लिफ्ट में तकनीकी खराबी आने के बाद लोगों का इतनी लंबी अवधि तक अंदर फंसे रहना गंभीर चिंता का विषय है। यात्रियों ने लिफ्ट की नियमित जांच और आपातकालीन स्थिति में त्वरित कार्रवाई एवं बेहतर व्यवस्था की मांग की है।

ट्रेन में यात्री का लैपटॉप समेत बैग चोरी, एक गिरफ्तार

खड़गपुर, नि.सं.। ट्रेन संख्या 18003 अप रानी शिरोमणि एक्सप्रेस में यात्री का लैपटॉप बैग चोरी होने के मामले में रविवार सुबह दस बजे पांसकुड़ा राजकीय रेलवे पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। चोरी का सामान भी आरोपित के कब्जे से बरामद कर जब्त कर लिया गया है।

सूत्रों के अनुसार, 29 अगस्त को मेचेदा रेलवे स्टेशन के आसपास रानी शिरोमणि एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री का लैपटॉप बैग चोरी हो गया था। मामले की सूचना पाकर पांसकुड़ा राजकीय रेलवे पुलिस ने जांच शुरू की। सूचना के आधार पर पांसकुड़ा राजकीय रेलवे पुलिस ने पांसकुड़ा कार पार्किंग क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने हारु पाल (32) को पकड़ लिया।

पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपित ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद पांसकुड़ा राजकीय रेलवे पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपित हारु पाल को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए तमलुक स्थित सक्षम न्यायालय में पेश करने के लिए भेजा गया है।खड़गपुर रेलवे पुलिस के जयंत मुखर्जी (एसआरपी) ने बताया कि यात्री की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान मिली सूचना के आधार पर पांसकुड़ा कार पार्किंग क्षेत्र में रविवार सुबह दस बजे का-र्रवाई कर आरोपित को पकड़ा गया।

अवैध आरा मिलों पर वन विभाग का कसा शिकंजा

झाड़ग्राम, नि.सं.। अवैध लकड़ी के कारोबार और नियमों की अनदेखी कर आरा मिल चलाने के आरोप में शनिवार को वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने झाड़ग्राम जिले के सांकराइल प्र-खंड के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की। इस दौरान 12 स्थानों पर देर रात तक जांच अभियान चलाया गया। अवैध आरा मिलों को सील कर संचालकों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया।

खड़गपुर वन प्रभाग के कलाइकुंडा परिक्षेत्र की पहल पर सांकराइल थाने की पुलिस के सहयोग से यह संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान में जिला पुलिस की पुलिस उपाधीक्षक (डीएनटी) श्रेया सरकार, कलाइकुंडा परिक्षेत्र के वन क्षेत्राधिकारी प्रणय सरकार, सांकराइल थाना प्रभारी सौमेन सिन्हा महापात्र सहित वन विभाग और पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रविवार सुबह कलाइकुंडा परिक्षेत्र के वन क्षेत्राधिकारी प्रणय सरकार ने बताया कि वन परिक्षेत्र में 12 स्थानों पर छापेमारी की गई है। उन्होंने कहा कि कुलटिकरी, रोहिणी, रामपुरा, गड़धरा, मादार, लालदहो और कुपड़ाकूपी जैसे स्थानों पर कार्रवाई की गई है। सभी संबंधित स्थानों पर बंद करने संबंधी नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने बताया कि छापेमारी की खबर पाकर कई आरा मिलों के कर्मचारी मौके से भाग गए। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक वहां काम करने वाले कई लोग फरार हो चुके थे।

अभियान के दौरान आरा मिलों के वैध कागजात और उसके नवीनीकरण, भंडारित लकड़ी की वैधता तथा लकड़ी पर सरकारी मुहर या चिह्न की जांच की गई। इसके अलावा चिरी हुई लकड़ी के परिवहन में इस्तेमाल होने वाली ठेलागाड़ी और उससे संबंधित वैध कागजात भी देखे गए। अधिकारियों ने यह भी जांच की कि लकड़ी के परिवहन में सरकारी नियमों का पालन किया जा रहा है या नहीं।

प्रणय सरकार ने बताया कि अभी सांकराइल क्षेत्र में छह और स्थान ऐसे हैं, जहां छापेमारी की जानी बाकी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उन स्थानों पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध लकड़ी के कारोबार के खिलाफ नियमित रूप से छापेमारी और निगरानी अभियान चलाया जाएगा। वन क्षेत्राधिकारी ने क्षेत्र में हाथियों की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल कलाइकुंडा क्षेत्र में कोई हाथी नहीं है। हालांकि पश्चिम मेदिनीपुर वन प्रभाग में वर्तमान में कुल 147 हाथी हैं।

प्रणय सरकार ने बताया कि अप्रैल से अगस्त तक हाथियों के कारण क्षतिग्रस्त हुए परिवारों को अभी तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि यह राशि अनुमानतः 10 लाख रुपये तक हो सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि हाथियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने वाले सेवकों के वेतन के भुगतान में भी कठिनाई आ रही है। इन समस्याओं के बीच वन विभाग के कर्मचारी अपना कार्य जारी रखे हुए हैं।

सनातन चेतना के विस्तार के लिए सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सनातन धर्म जागरण को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से रामानंद मिशन ने प्रदेश के 1008 स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ आयोजित करने का संकल्प लिया है। इस अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों, युवाओं और परिवारों को सनातन संस्कृति, धर्म और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। आचार्य रामचंद्रदास जी महाराज ने कहा कि रामानंद मिशन का संकल्प है कि बंगाल के अलग-अलग क्षेत्रों में धर्म जागरण की इस पहल को व्यापक रूप दिया जाए और 1008 स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से सनातन चेतना को जन-जन तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा भक्ति, साहस, सेवा और संस्कार का संदेश देती है। रामानंद मिशन का प्रयास रहेगा कि इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को धर्म और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का वातावरण तैयार हो। इस प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर मंत्री उमेश राय सहित अनेक समाजसेवियों के साथ बैठक हुई। बैठक में बंगाल में धर्म जागरण के इस अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने तथा समाज की सहभागिता बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित समाजसेवियों ने भी इस पहल को लेकर अपने विचार रखे और समाज के अधिक से अधिक लोगों तक हनुमान चालीसा पाठ एवं सनातन धर्म जागरण का संदेश पहुँचाने पर चर्चा की।

रामानंद मिशन का उद्देश्य है कि इस हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से बंगाल में सनातन समाज के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को और अधिक मजबूत किया जाए तथा नई पीढ़ी को भी अपनी परंपराओं और संस्कारों से जोड़ा जाए। आचार्य रामचंद्रदास जी महाराज ने कहा कि इस अभियान का मूल भाव धर्म जागरण, समाज को जोड़ना और सनातन संस्कारों को जन-जन तक पहुँचाना है। रामानंद मिशन आने वाले समय में इस संकल्प को व्यापक सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, आदिवासी समुदाय का प्रदर्शन

झाड़ग्राम, नि.सं.। नाबालिग छात्रा से कथित दुष्कर्म की घटना को लेकर झाड़ग्राम के बेलपहाड़ी इलाके में रविवार को भारी विरोध प्रदर्शन हुआ। आदिवासी समुदाय और स्थानीय लोगों ने शिलदा-बांकुड़ा पांच नंबर राज्य राजमार्ग को जाम कर न्याय की मांग की। महिला प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर आरोपित को कड़ी सजा देने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर घरों में तोड़फोड़ शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, पिछले रविवार एक स्कूल छात्रा के साथ दुष्कर्म का आरोप एक टोटो चालक पर लगा था। आरोप है कि छात्रा गांव से टोटो में ट्यूशन पढ़ने जा रही थी। रास्ते में चालक ने टोटो रोककर उसे जंगल की ओर ले जाकर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

सोमवार को छात्रा के ट्यूशन और स्कूल नहीं जाने पर उस-ाकी मां ने पूछताछ की, जिसके बाद परिवार को घटना की जानकारी मिली। परिवार की शिकायत के आधार पर

बेलपहाड़ी थाना पुलिस ने मंगलवार को रूप कुमार दास नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया।

परिवार के एक सदस्य ने आरोपित को कड़ी सजा देने की मांग की। भारत जकात सांताड़ पाटुवा राज्य समिति के सदस्य सरक हेम्ब्रम ने कहा कि केवल गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि जल्द जांच पूरी कर अदालत में मामले का निपटारा किया जाना चाहिए और आरोपित को अधिकतम सजा मिलनी चाहिए। जिला तृणमूल नेता सुमन साहू और बिनपुर के विधायक प्रणत टुडू ने भी घटना की निंदा करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिला पुलिस अधिकारी के अनुसार, शिकायत पाकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया था और वह फिलहाल जेल में है।

कपासडांगा में चोरों ने उड़ाए लाखों के आभूषण और नकदी

हुगली,। चूंचुड़ा के कपासडांगा इलाके में एक घर में चोरी की घटना सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। चूंचुड़ा नगरपालिका के वार्ड नंबर आठ अंतर्गत नेपाल चौधरी मैदान इलाके में हुई इस चोरी से स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, राखी पूर्णिमा के अवसर पर लंबे समय से इलाके में रहने वाली गीता डोम घर में ताला लगाकर अपने मायके गई थीं। आरोप है कि घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों ने दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।रविवार सुबह गीता देवी की ननद ने फोन कर उन्हें बताया कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। खबर मिलते ही गीता देवी अपने परिवार के सदस्यों के साथ आनन-फानन में घर लौटीं। अंदर जाकर उन्होंने देखा कि अलमारी से लाखों रुपये के आभूषण और करीब चार हजार रुपये नकद गायब हैं। घर के विभिन्न हिस्सों में आभूषणों के खाली डिब्बे बिखरे पड़े थे। गीता देवी का आरोप है कि घर के सामने वाले आंगन की तरफ एक खिड़की नहीं होने का फायदा उठाकर चोरों ने ताला तोड़ा और घर में घुसकर चोरी की। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है और शिकायत दर्ज कराई गई है।

गंगा की कटान से दहशत में बलागढ़ के निवासी

हुगली, नि.सं.। नदी किनारे बसे हैं, चिंता बारहों महीने' - यह क-हावत हुगली के बलागढ़ के चरखोयरामारी गांव के लोगों की जिंदगी की हकीकत बन गई है। बरसात के मौसम में गंगा की कटान ने इलाके में भयावह रूप ले लिया है। कई परिवारों के घर, जमीन और खेत नदी में समा चुके हैं। कुछ महीने पहले बनाई गई नई पक्की सड़क भी गंगा के पानी में डूब गई है। ग्रामीणों को आशंका है कि किसी भी समय नदी का पानी सड़क पार कर उनके घरों के आंगन तक पहुंच सकता है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कई मीटर के इलाके में फिर से नई कटान शुरू हो गई है। सड़क के डूब जाने के कारण ग्रामीणों को अब धान के खेतों के बीच से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। गंगा किनारे जमीन के नीचे से गुजरने वाली पेयजल पाइपलाइन

में भी दरार आने की शिकायत है, जिससे गांव में पेयजल संकट पैदा हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार, कभी यहां रानीनगर, दुर्लभपुर और गौरनगर तीन मौजा थे। इनमें गौरनगर मौजा पूरी तरह गंगा में समा चुका है, जबकि दुर्लभपुर और रानीनगर का कुछ हिस्सा ही बचा है। पहले यहां करीब डेढ़ से दो हजार लोगों की आबादी थी, जो अब घटकर करीब 300 से कुछ अधिक प-रवारों तक रह गई है। जमीन और रोजगार गंवाने के बाद कई लोग अब खेतिहर मजदूर या दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम कर रहे हैं। स्थानीय निवासी असीम घोषाल ने कहा कि दो महीने पहले बनी सड़क भी नदी में समा गई। उन्होंने स्थायी समाधान के लिए पक्के कंक्रीट के बांध की मांग की। एक अन्य निवासी शिउली सरकार ने कहा कि बच्चों के साथ रात में सोने में भी डर लगता है। वहीं स-रस्वती घोषाल ने कहा कि कटान के कारण खेल का मैदान भी नदी में चला गया है और केवल बालू की बोरियों से समस्या का समाधान नहीं होगा।

बलागढ़ की विधायक तथा मंत्री सुमना सरकार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री को मामले की जानकारी दी गई है।

उनके अनुसार, गुप्तीपाड़ा से ह-ावड़ा के उलुबेरिया तक गंगा कटान रोकने की एक बड़ी परियोजना तैयार की गई है, जिसमें 400 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ प्रक्रियाएं बाकी हैं और जल्द ही लोगों को गंगा की कटान से स्थायी राहत दिलाने की दिशा में काम शुरू होगा।

प्राथमिक विद्यालय का एक हिस्सा गंगा में समाया

हुगली, नि.सं.। लगातार बारिश के बाद गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से मालदा के भूतनी और रतुआ से सटे इलाके में कटाव तेज हो गया है। शनिवार देर रात पश्चिम रतनपुर प्राथमिक विद्यालय का एक हिस्सा गंगा में समा गया। इससे स्कूल में पढ़ाई लगभग ठप्प हो गई है। विद्यालय में करीब 320 विद्यार्थी पढ़ते हैं। स्कूल भवन का हिस्सा नदी में समा जाने के बाद विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल पर लंबे समय से गंगा कटाव का खतरा मंडरा रहा था और प्रशासन को इसकी जानकारी भी दी गई थी, लेकिन समय रहते कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। विद्यालय के प्रधान शिक्षक बापी सरकार ने प्रशासन और सिंचाई विभाग पर उदासीनता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी ऐसी स्थिति बनी थी और प्रशासन को जानकारी देने के बावजूद स्कूल को बचाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए।

प्रधान शिक्षक के अनुसार, फिलहाल पठन-पाठन बंद कर दिया गया है। स्कूल की जरूरी सामग्री और फर्नीचर को सु-रक्षित स्थान पर स्थित खासमहल जूनियर हाई स्कूल में स्थानांतरित किया गया है। लगातार बारिश के कारण गंगा का जलस्तर बढ़ने से भूतनी और रतुआ के विस्तृत इलाकों में नदी कटाव जारी है। कई घर और जमीन नदी में समा चुके हैं, जिससे बड़ी संख्या में परिवार विस्थापन की स्थिति में पहुंच गए हैं।

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

संपादकीय

एसआईआर पर बड़ा सवाल, 91 फीसदी अपीलों में बहाल हुए मतदाता ?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। अपने घोषित उद्देश्य के मुताबिक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को देश में चुनावों और मतदान की प्रक्रिया को दोषरहित बनाने की कोशिश कहा जा सकता है। मगर इसके साथ ही यह जिम्मेदारी भी अनिवार्य रूप से जुड़ी हुई है कि कोई एक भी वैध मतदाता न छूटे और उसे मतदान का उसका अधिकार हर हाल में मिले। मगर क्या देश के अलग-अलग राज्यों में अब तक हुए एसआइआर में इसके घोषित उद्देश्यों के मुताबिक ही नतीजे सामने आ सके हैं?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। खासतौर पर पश्चिम बंगाल और बिहार में एसआइआर के बाद जिस पैमाने पर लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर किए गए, उसे लेकर तमाम सवाल उठे। यह कहा गया कि बड़ी संख्या में लोगों का नाम किसी कथित चूक का हवाला देकर मतदाता सूची से हटा दिया गया और वे वोट देने से वंचित रह गए। पश्चिम बंगाल में इस क्रम में ऐसे करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम बाहर कर दिए गए थे। जब उस पर चौतरफा सवाल उठे, तब निर्वाचन आयोग की ओर से उन्नीस अपीलीय न्यायाधिकरणों का गठन किया गया था।अब सूचना के अधिकार कानून के तहत मिली एक जानकारी के मुताबिक, एसआइआर के बाद आई 82,782 अपीलों में से न्यायाधिकरण की ओर से इक्यानबे फीसद मतदाताओं के नाम बहाल कर दिए गए हैं। फिलहाल कुल अपीलों में से सिर्फ 2.17 फीसद मामलों पर ही फैसला हुआ है। अगर दावा सही पाए जाने का अनुपात लगभग यही बना रहता है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर वैध मतदाता अपना वोट डालने से वंचित रह गए। क्या यह उन तमाम मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है, जिनका नाम किसी मामूली त्रुटि का हवाला देकर हटा दिया गया? मतदान के समय मतदाता सूची से नाम हटा देने और चुनाव खत्म होने के बाद वही नाम सही पाए जाने पर सूची में जोड़ देने को कैसे देखा जाएगा?इससे शायद ही किसी को आपत्ति होगी कि चुनावों में मतदान की पूरी प्रक्रिया बिल्कुल स्वच्छ और शुचितापूर्ण हो। साथ ही किसी भी स्थिति में उसमें न तो अवैध मतदान की कोई गुंजाइश हो और न ही किसी वैध मतदाता को मतदान के उसके अधिकार से वंचित किया जाए। निर्वाचन आयोग ने जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की थी, तो इसके पीछे यही दलील दी गई थी। प्रथम दृष्टया यह प्रक्रिया अपने आप में चुनावों को ज्यादा स्वच्छ बनाने की कवायद लगती है, क्योंकि इसके तहत वैसे सभी नामों को मतदाता सूची से हटाए जाने की बात कही गई, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर जो किसी वजह से अन्य जगह विस्थापित हो गए हों।मगर इसके नाम पर बहुत सारे वैध मतदाताओं को भी वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? लाखों मतदाताओं के मतदान करने से वंचित रहने के बीच जो चुनाव हुआ, जनप्रतिनिधि चुने गए, सरकार का गठन हुआ, क्या उसका औचित्य कसौटी पर नहीं है?

मानव शरीर की हड्डियों और दिमाग की सेहत के बीच का संबंध शारीरिक सुरक्षा से कहीं ज्यादा गहरा है। इसका संकेत 1800 के दशक में तब मिला, जब फ्रांसीसी पैथोलॉजिस्ट जीन-मार्टिन चारकोट ने 'टेब्स डॉर्सैलिस' नाम की बीमारी वाले मरीजों के बारे में बताया था। इन मरीजों की हड्डियों के जोड़ कमजोर हो रहे थे, क्योंकि वहां मौजूद मुलायम ऊतक खराब हो रहे थे। चारकोट का मानना था कि इसकी वजह सामान्य हड्डियों की बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को पहुंचा नुकसान था। चारकोट को मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के तंत्र की व्याख्या करने का श्रेय भी दिया जाता है।

क्या कमजोर हड्डियां बढ़ा सकती हैं मनोभ्रंश का खतरा? हड्डियों और याददाश्त का संबंध क्या है

(पुष्परंजन)

आज हालत यह है कि पैसा और तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के साथ लोगों ने खुद के कार्यों को घरेलू सहायकों के हवाले कर दिया है। तकनीक के विकास और विलासितापूर्ण जीवनशैली के साथ-साथ डिमेंशिया यानी मनोभ्रंश की बीमारी का संकट भी बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में इस बीमारी से एक करोड़ से अधिक लोग पीड़ित हैं, जबकि हल्के लक्षणों वाले लोगों की संख्या 2.4 करोड़ से ज्यादा है। मुख्य रूप से साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग इसकी चपेट में आते हैं।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2036 तक भारत में यह संख्या बढ़कर लगभग 1.69 करोड़ हो सकती है। यह समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में और शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखी गई है। यह बीमारी भले ही मस्तिष्क और स्मरण शक्ति से जुड़ी है, लेकिन इसका कारण हड्डियों का कमजोर होना है। आज के दौर में शारीरिक गतिविधियों पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है, जिससे हड्डियों की सेहत भी कमजोर पड़ने लगी है। इसके परिणामस्वरूप लोगों को चलने-फिरने में दिक्कत के साथ मनोभ्रंश की समस्या भी घेरने लगी है।

मानव शरीर की हड्डियों और दिमाग की सेहत के बीच का संबंध शारीरिक सुरक्षा से कहीं ज्यादा गहरा है। इसका संकेत 1800 के दशक में तब मिला, जब फ्रांसीसी पैथोलॉजिस्ट जीन-मार्टिन चारकोट ने 'टेब्स डॉर्सैलिस' नाम की बीमारी वाले मरीजों के बारे में बताया था। इन मरीजों की हड्डियों के जोड़ कमजोर हो रहे थे, क्योंकि वहां मौजूद मुलायम ऊतक खराब हो रहे थे। चारकोट का मानना था कि इसकी वजह सामान्य हड्डियों की बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को पहुंचा नुकसान था। चारकोट को मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के तंत्र की व्याख्या करने का श्रेय भी दिया जाता है।

हालांकि, बाद में न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन एवं बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. जेरार्ड कार्सेंटी ने हड्डियों में बनने वाले हार्मोन 'ऑस्टियोकैल्सिन' और शारीरिक कार्यों में इसकी भूमिका के बारे में बेहतर समझ विकसित की थी। यह हार्मोन 'ऑस्टियोब्लास्ट' से बनता है, जो हड्डी बनाने वाली कोशिकाएं होती हैं। यह हड्डी से खून में मिल जाता है और रक्त शर्करा को व्यवस्थित करने तथा 'टेस्टोस्टेरोन' और 'स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल' को विनियमित करने में मदद करता है, जो व्यायाम के दौरान मांसपेशियों के काम करने के लिए जरूरी होता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, 'ऑस्टियोकैल्सिन' हार्मोन चिंता एवं अवसाद को कम करता है और हमें किसी बात को याद रखने में मदद करता है। यह हार्मोन बच्चे के पैदा होने से पहले ही उसके दिमाग को विकसित करना शुरू कर देता है। यह मां के शरीर में बनता है और गर्भनाल के जरिए विकसित हो रहे भ्रूण तक पहुंचता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों से पता चलता है कि बुजुर्ग इंसानों की तरह बूढ़े चूहों को भी याददाश्त की समस्या होती है।

परीक्षण के दौरान अठारह माह के एक चूहे को दोबारा पानी के टैंक में छोड़ दिया गया। चूहों की उम्र के हिसाब से उसे बूढ़ा कहा जा सकता है। वह पानी के नीचे एक ढांचे को ढूंढ़ने की कोशिश करता है, जिस पर वह चढ़ सके, लेकिन उसे याद नहीं आता कि वह कहां है। इसी तरह के टैंक में डाले गए एक अन्य युवा चूहे को उस ढांचे को तलाशने में कोई दिक्कत नहीं होती, जिसका इस्तेमाल उसने एक दिन पहले किया था। वैज्ञानिक बूढ़े चूहे को 'ऑस्टियोकैल्सिन' की एक खुराक देते हैं, जिससे उसकी याददाश्त बेहतर हो जाती है और वह उस ढांचे को ढूंढ़ लेता है।

वैज्ञानिकों ने एक और बात जानी कि चूहे में लगभग नौ माह की उम्र में तथा महिलाओं में तीस साल और पुरुषों में पचास

साल की उम्र से पहले 'ऑस्टियोकैल्सिन' का स्तर तेजी से कम होने लगता है। हालांकि, जब शरीर पर व्यायाम या अन्य तरह की गतिविधि से दबाव पड़ता है, तो इस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। शारीरिक गतिविधि के बिना हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और इस हार्मोन का बनना भी कम हो जाता है।

वैज्ञानिकों ने पाया है कि ज्यादा उम्र की महिलाओं में बारह हफ्तों तक सप्ताह में तीन बार एक घंटे का व्यायाम करने से 'ऑस्टियोकैल्सिन' के स्तर और हड्डियों के घनत्व में बढ़ोतरी होती है। उदाहरण के लिए वजन उठाने की गतिविधि, दौड़ना, नृत्य करना या तेज चलना इस हार्मोन के स्तर को बढ़ा देता है। इसके अलावा विटामिन-डी और के-2 वाला अच्छा खान-पान भी इसका एक अहम हिस्सा है।

बढ़ती उम्र के साथ सुनने की क्षमता कम हो जाना एक और गंभीर समस्या है। अमेरिका में 1,44,000 महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन में 'ऑस्टियोपोरोसिस' (हड्डियों का घनत्व कम होना) और सुनने की क्षमता कम होने के बीच संबंध पाया गया है। कान के बीच के हिस्से में मौजूद छोटी-छोटी हड्डियां (मेलियस, इनकस और स्टेप्स) आवाज को आगे पहुंचाने में मदद करती हैं। अगर हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से इन्हें नुकसान पहुंचता है, तो सुनने की क्षमता कम हो सकती है। मगर यह ऐसा जोखिम है, जिसे ठीक किया जा सकता है।

बहरहाल, मुख्य बात यह है कि हम अपनी हड्डियों की सेहत को उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी जरूरत होती है। जबकि हड्डियां शरीर के कई ऐसे जरूरी कार्यों को नियंत्रित करती हैं, जिनकी गति उम्र बढ़ने के साथ धीमी होने लगती हैं। इसलिए उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

जब हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, तो हल्की चोट लगने पर भी उनके टूटने का खतरा रहता है। ऐसे में अगर सोचने-समझने एवं सुनने की क्षमता को बनाए रखना है और हड्डियों को टूटने से बचाना है, तो उनके स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। हड्डियों और दिमाग के बीच के परस्पर संबंधों को मजबूत बनाए रखने का सबसे असरदार और आसान तरीका है, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना। आज हालत यह है कि पैसा और तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के साथ लोगों ने खुद के कार्यों को घरेलू सहायकों के हवाले कर दिया है। यदि व्यक्ति झाड़ू-पोंछा, साफ-सफाई और भोजन बनाने जैसे घरेलू कार्यों को खुद करे, तो शरीर का अच्छा व्यायाम हो सकता है। यानी न तो जिम जाने की जरूरत पड़ेगी और न ही शारीरिक गतिविधियों के लिए पैसा खर्च करना पड़ेगा।

देश में मनोभ्रंश के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सरकारी स्तर पर भी व्यापक प्रयास किए जाने की जरूरत है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष कार्यक्रम और अभियान शुरू करने होंगे। जिला स्तर पर 'मेमोरी क्लीनिक' खोलने होंगे और यहां पर देखभाल करने वालों को आर्थिक एवं सामाजिक सहायता देनी होगी। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हड्डी एवं मानसिक स्वास्थ्य इकाइयां स्थापित करना भी समय की जरूरत है। मनोभ्रंश को आधिकारिक तौर पर बुजुर्गों की दिव्यांगता के रूप में अधिसूचित करने की जरूरत है।

देश में बढ़ती आबादी के अनुरूप प्रभावी इलाज और रोकथाम के लिए अनुसंधान केंद्र स्थापित करना भी आवश्यक है। मगर इससे पहले देश में मनोभ्रंश प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना जरूरी है।

अंकों का गणित- एक रुपया बढ़े तो बरकत, एक अंक घटे तो बदल जाती है पूरी कहानी

(विप्रम)

कुछ संख्या बोलने में ही किसी को इतनी 'कठिन' लगती हैं कि उनकी जीभ लड़खड़ा जाए या भ्रम हो जाए। जैसे उनसठ, उनचास और उनहत्तर। अंकों का अपना अर्थ होता है। संख्या के हिसाब से इनका गणित कभी लाभदायक, तो कभी हानिकारक हो जाता है। इसी नफा या नुकसान के मद्देनजर इन्हें अजीब कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर एक कर्मचारी की सेवानिवृत्ति उनतीस अप्रैल को हुई, हालांकि उनकी जन्म तिथि एक मई थी। सेवानिवृत्ति की आयु पूरी होने के लिहाज से देखा जाए, तो ऐसा लग रहा है कि उन्हें एक दिन पहले सेवानिवृत्त कर दिया गया। नियम यह है कि अगर उनकी जन्म-तिथि एक मई न होकर दो मई होती, तो वे इकतीस मई को सेवानिवृत्त होते। यानी उन्हें पूरे एक महीने का लाभ मिलता। एक दिन के फेर में कर्मचारी को खासा नुकसान हो गया।

अंकों के गणित की शुरुआत शून्य से नौ तक मानी जाती है। शून्य यानी जीरो का अपना अलग महत्त्व होता है। एक से आगे की संख्याओं की अपनी महिमा होती है। अपने विशेष संकेत हुआ करते हैं। शून्य वह संख्या है, जो किसी अन्य संख्या के पहले या बाद में लगा दिया जाए, तो उस संख्या का महत्त्व घट या बढ़ जाता है।

ठीक ऐसे ही एक वह संख्या है, जिसे किसी और संख्या में बढ़ा दिया जाए, तो उसकी महत्ता में और अधिक वृद्धि हो जाती है।

उदाहरण के तौर पर एक सौ रुपए की इतनी अहमियत नहीं होती, जब तक कि उसमें एक रुपया बढ़ा न दिया जाए। एक सौ एक होते ही वह सौ रुपया 'श्रद्धापूर्ण' होकर बहुत भला लगने लगता है। ठीक इसी तरह पांच सौ एक और ग्यारह सौ एक रुपए। यहां बढ़ा हुआ एक रुपया बहुमूल्य ही नहीं, 'अति संस्कारी' भी हो जाता है!

एक रुपया, यानी एक की कमी कभी-कभी विस्मयकारी भी हो सकती है, जिसे सरकारी या गैरसरकारी खिड़की से कोई रेल या बस की टिकट लेते समय अमूमन देखा जा सकता है। यह एक रुपया कितना करामाती होता है, यह भीड़ में साफ दिखता है। टिकट लेने की प्रक्रिया में यह रुपया बाधक भी हो सकता है और बड़ा कीमती भी हो जाता है। यानी एक की संख्या। एक बार एक प्रधानमंत्री को सदन में यह एक की संख्या कितनी भारी पड़ी थी, सब जानते हैं। सीधे शब्दों में कहें, तो उनकी सरकार चली गई थी।

इस एक की संख्या का गणित सच में बड़ा जटिल होता है। एक नंबर से परीक्षाफल में विद्यार्थियों की अच्छी-खासी डिवीजन यानी श्रेणी तक बदल जाती है। एक मिनट लेट होने पर ट्रेन छूट जाती है, तो आजकल कभी-कभी परीक्षा-भवन में प्रवेश से रोक दिया जाता है। हर शुरुआत के लिए पहले कदम की दरकार होती है।

असल गिनती देखा जाए, तो एक से दस तक हुआ करती है। इसी को क्रम से आगे बढ़ाते रहा जाए, तो गिनती और बढ़ती रहेगी। सौ, हजार, लाख, करोड़ज सब अंकों का खेल है। पुराने लोगों को तो हाथ की अंगुलियों की गिनती आती थी, यानी पांच तक। इसी पांच में वे अपनी जिंदगी गुजार लेते थे। पर यहां यह जरूर कह सकते हैं कि पांच से दो अंक पहले जो अंक यानी तीन आता है, वह न तो उन्हें भला लगता था, न किसी और को। यह संख्या आज के दौड़ते-भागते लोगों को भी माफिक नहीं लगती। अशुभ मानते हुए कहा भी जाता है- तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा।

इस क्रम में देखा जाए तो नौ की संख्या 'अद्भुत' मानी जाती है। यह वह संख्या है, जिसे एक से दस तक गुणा करने के बाद जो फल आता है, उसका जोड़ भी नौ ही आएगा। जैसे नौ गुणा एक बराबर हुआ नौ। नौ गुणा दो बराबर अठारह। इस अठारह का जोड़ हुआ नौ। ऐसे ही नौ को तीन से गुणा करने के उपरांत योग हुआ सत्ताईस। इसका जोड़ हुआ नौ। आखिर में नौ को दस से भी गुणा करने पर जोड़ हुआ नब्बे।

इस नब्बे को जोड़ा, तो फिर नौ बने। बहरहाल, बारह की संख्या के बाद और चौदह से पहले आने वाली संख्या, यानी तेरह, कैलेंडरों या किताबों में तो अवश्य लिखी मिल जाएगी, लेकिन किसी होटल या अस्पताल में यह संख्या कई बार कहीं नहीं दिखती है। शायद बहुत पर्दे में रहती है। अंकशास्त्री भी इसके सम्मोहन में हाथ खड़े कर देते हैं। तेरह की तोड़ में जगह-जगह केवल बारह-ए लिखा मिल सकता है। सीधा-साफ तेरह नहीं लिखा जाता। इसका भाव भी टेढ़ा समझा जाता है।

बहरहाल, संख्याओं के तीन-तेरह में क्या और क्यों पड़ना! बड़े से बड़े अंकशास्त्री इससे बचा करते हैं। फिर आम लोगों की क्या ही कहें? अंकों का विश्लेषण करते हुए कुछ संख्याओं पर टिप्पणी करना यहां अति आवश्यक है। ये अगर यहां गिनाई न जाएं तो बात अधूरी रह सकती है। इन्हें संज्ञा विशेषण ही नहीं, बल्कि सर्वनाम विशेषण और क्रिया विशेषण के तौर पर भी याद किया जा सकता है।

बारिश में क्यों डूब रहे शहर? कचरा प्रबंधन की कमजोरी से बढ़ रहा जलभराव का संकट

हर मानसून में योजनाओं की कमियों और अधूरी तैयारियों के चलते शहरों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और मोहल्लों में बाधित आवागमन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। सड़कों और सर्विस लेन के किनारे डाला जाने वाला कचरा वर्षा जल निकासी के नालों में चला जाता है, जिससे उनकी जल निकासी क्षमता घटती है, बारिश के पानी का बहाव रुकता है, और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा होती हैं। मसलन, हैदराबाद में हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने बारिश के पानी की निकासी वाले नालों से 13 ट्रक कचरा निकाला।

(सृष्टि मिश्रा)

बारिश की बढ़ती तीव्रता के मद्देनजर वही शहर बाढ़ से सुरक्षित रह पाएंगे, जो कचरा प्रबंधन के नियमों का सही ढंग से पालन करेंगे। मानसून ने फिर बता दिया कि भारी बारिश के सामने हमारे शहर कितने कमजोर हैं। कई शहर भारी बारिश के बाद सड़कों पर बाढ़ और जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्या को गहराई से देखने पर इसके पीछे कचरा प्रबंधन की नाकामी साफ नजर आती है।

हर मानसून में योजनाओं की कमियों और अधूरी तैयारियों के चलते शहरों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और मोहल्लों में बाधित आवागमन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। सड़कों और सर्विस लेन के किनारे डाला जाने वाला कचरा वर्षा जल निकासी के नालों में चला जाता है, जिससे उनकी जल निकासी क्षमता घटती है, बारिश के पानी का बहाव रुकता है, और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा होती हैं। मसलन, हैदराबाद में हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने बारिश के पानी की निकासी वाले नालों से 13 ट्रक कचरा निकाला।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, भारत में रोजाना 1,70,900 टन शहरी ठोस कचरा निकलता है। इसमें से 61 फीसदी की प्रोसेसिंग होती है, 22 फीसदी हिस्सा लैंडफिल में जाता है, जबकि 17 प्रतिशत कचरे का लेखा-जोखा ही नहीं मिल पाता है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वॉयरन्मेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के मुताबिक, जो कचरा आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसका बड़ा हिस्सा खुले में फेंक दिया जाता है। यह कचरा धीरे-धीरे जलस्रोतों और बारिश के पानी की निकासी वाले नालों में पहुंच जाता है। मानसून से पहले इन नालों की सफाई न होने के कारण उनकी जल निकासी क्षमता कम हो जाती है और जलभराव की समस्या बढ़ जाती है। यह समस्या बुनियादी ढांचे के डिजाइन में कमी के कारण और भी बढ़ जाती है।

शहरी जल निकासी तंत्र आमतौर पर सिर्फ 12 से 20 मिमी प्रति घंटे की तीव्रता वाली बारिश को संभाल पाते हैं। लेकिन, अब शहरों में कम समय में बहुत तेज बारिश हो रही है, जो इनकी क्षमता से कहीं अधिक है। सीईईडब्ल्यू के एक शोध में सामने आया है कि द्विवर्षीय पुनरावृत्ति अवधि वाली बारिश की घटनाओं में महाराष्ट्र के ठाणे और गुजरात के नवसारी शहरों में 55 से लेकर 60 मिलीमीटर प्रति घंटे की तीव्रता की बारिश दर्ज की गई। यह चुनौती तब और गंभीर हो जाती है, जब कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था पर्याप्त न हो। ऐसे में कुछ कदम उठाने जरूरी हैं।

पहला, शहरी स्थानीय निकायों को जल निकासी व्यवस्था और रोजमर्रा के संचालन की योजना बनाते समय वार्ड स्तर पर बारिश और कचरे से जुड़े आंकड़ों का एकसाथ विश्लेषण करना होगा। इससे योजना निर्माण के लिए पुराने औसत आंकड़ों की तुलना में एक सशक्त आधार मिलता है। दूसरा, शहरी स्थानीय निकायों को बारिश के बदलते पैटर्न को ध्यान में रखकर नालों की सफाई के समय में बदलाव करना होगा। इसके अलावा, स्वच्छता, जल-निकासी और सीवरेज जैसे विभिन्न विभागों के बीच तालमेल को औपचारिक रूप देना चाहिए। इधर-उधर कचरा फेंकने पर सख्ती किए बगैर सिर्फ नालों की सफाई करके शहरी बाढ़ नहीं रोकी जा सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में वर्षा जल निकासी के नालों में सीवेज का प्रवाह रोकने, खुले में कचरा फेंकने पर जुर्माने को सख्त बनाने और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ाने पर जोर दिया है। तीसरा, शहरों को एकीकृत जल निकासी व कचरा प्रबंधन ढांचे में निवेश करना होगा। यानी, बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों में जीरो-वेस्ट योजनाओं के साथ वर्षा जल निकासी के ढांचे को विस्तार देना चाहिए।

अंत में, शहरों को शुरू में ही कचरे को नालों में जाने से रोकना होगा। कचरा पकड़ने वाले जाल (डेब्रिस ट्रैप्स), स्क्रीन और ट्रैश रैक जैसे कम लागत वाले उपकरण कचरे को नालों में जाने से रोक सकते हैं। केरल के अलाप्पुझा की 'कैनालपी' पहल मोहल्ला स्तर पर कचरा रोकने वाली स्क्रीन और विकेंद्रीकृत घरेलू कचरा प्रबंधन के जरिये प्लास्टिक को नहरों तक पहुंचने से रोकती है। वहीं, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक से नाले जाम होने की समस्या भी घट सकती है। यानी कचरे को स्रोत और जल निकासी, दोनों स्तरों पर रोककर बाढ़ और नालों की सफाई का खर्च कम किया जा सकता है।

अगर कचरा प्रबंधन सही नहीं है, तो कोई भी शहर सिर्फ बड़े नाले बनाकर भी बाढ़ की समस्या नहीं सुलझा सकते हैं। इसलिए, जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह से बारिश की तीव्रता बढ़ रही है, कचरा प्रबंधन को एक जरूरी जलवायु अनुकूलन बुनियादी ढांचा मानना चाहिए। अब बाढ़ से वही शहर सुरक्षित रह पाएंगे, जो बारिश आने से काफी पहले से अपने कचरे को नालों में जाने से रोक पाएंगे।

(लेखिका रिसर्च एनालिस्ट, सीईईडब्ल्यू)

गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती : सीजेआई

डिजिटल अरेस्ट पर सूर्यकांत ने खुद लिया संज्ञान

नयी दिल्ली । चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका ह्यडिजिटल अरेस्टह्ल जैसे नए तरह के फ्रॉड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से कार्रवाई करती है। उन्होंने शनिवार को लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में ह्यडिजिटल अरेस्टह्ल स्कैम पर स्वतः संज्ञान लिया है।

इसमें ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था।

सूर्यकांत ने कहा कि पीएमएलए जैसी व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं।

कुछ लोगों ने जांच एजेंसियों पर इसके दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। इनमें गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताने और जरूरत से ज्यादा हिरासत में रखने जैसी शिकायतें शामिल हैं। ऐसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर राहत दी है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में देना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल बनाम उइकमामले का भी जिक्र किया और कहा कि लंबे समय तक मुकदमे से पहले हिरासत में रखना सजा में नहीं बदलना चाहिए।

सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया में हर साल बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है। इसके मुकाबले 100 में से एक से भी कम हिस्सा वापस हासिल हो पाता है। ऐसे में अवैध संपत्ति की बरामदगी अब भी बड़ी चुनौती है।

सीजेआई ने करीब 2300 साल पुराने कौटिल्य के अर्थशास्त्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि इसमें सरकारी अधिकारियों द्वारा खजाने से धन निकालने के तरीकों का उल्लेख है। कौटिल्य ने सरकारी धन के लालच की तुलना जीभ पर रखे शहद या जहर का स्वाद लेने से की थी।

सीजेआई ने कहा कि आर्थिक अपराध और अवैध पैसा अक्सर देशों की सीमाओं के पार चला जाता है। ऐसे मामलों में दूसरे देशों के साथ सहयोग जरूरी है। उन्होंने म्यूचुअल लीगल असिस्टेंटस ट्रीटी को अवैध संपत्ति और धन को वापस लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

मुसलमानों को भारत से निकालना हिंदुत्व नहीं : मोहन भागवत

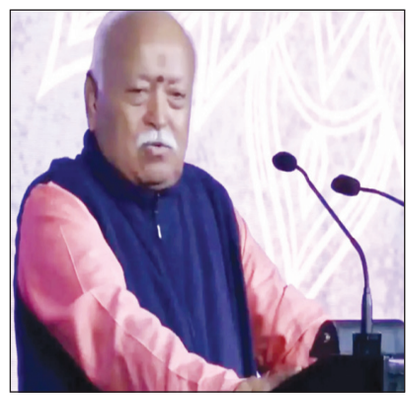

न्यूयॉर्क । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित ह्ययूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशनह्ल कार्यक्रम में भारत की विविधता, एकता, मानवता और आध्यात्मिक विकास को लेकर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। इस कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए, जबकि 30 देशों के करीब 180 धार्मिक नेता भी शामिल हुए।

संघ प्रमुख ने कहा कि लोगों का पहनावा, रहन-सहन, शरीर और पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन उनके बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि इंसानियत सभी धर्मों से ऊपर है और अलग-अलग रास्ते अंततः एक ही सत्य की ओर ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का दायित्व है कि वह स्वयं ह्यविविधता में एकताह्ल को महसूस करे और समय-समय पर पूरी दुनिया को भी इसका एहसास कराए। उन्होंने मानव जीवन में आध्यात्मिक विकास को भी जरूरी बताया।

संघ प्रमुख ने कहा कि मनुष्य के पास सोचने की क्षमता है और यही उसकी विशेषता भी है। लेकिन वह किस दिशा में सोचता है यह महत्वपूर्ण है। अगर आप सही तरीके से सोचते हैं तो ईश्वर के करीब जाते हैं और गलत तरीके से सोचते हैं तो पशुता की ओर चले जाते हैं। संघ प्रमुख ने समाज में दो तरह की प्रवृतियों का भी उल्लेख किया। एक प्रवृति है 'जियो और जीने दो' जबकि दूसरी ऐसी है जिसमें व्यक्ति केवल उन्हीं लोगों को जीने देना चाहता है जो उसकी बात मानें।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने कहा, ₹अमेरिका में रहने वाले भारतीय लोगों का अपनी कर्मभूमि के प्रति एक फर्ज. है और उन्हें उसे पूरा करना चाहिए। उन्हें अपनी कर्मभूमि के प्रति वफादार रहना चाहिए। क्योंकि भारत उनकी जन्मभूमि है, अगर उनमें कुछ करने की इच्छा है, तो वे अपनी कर्मभूमि के प्रति अपना फर्ज.पूरा करने के बाद वह कर सकते हैं, यह मना नहीं है। लेकिन यह जरूरी नहीं है। आपकी जन्मभूमि आपसे उम्मीद करती है कि आप उन मूल्यों पर जिएं जो उसने आपको दिए हैं।

नीट पीजी की परीक्षा के दौरान हंगामा, बंद हुए कंप्यूटर

सेंटर पर फिर से होगी परीक्षा

जयपुर। जयपुर में नीट-पीजी-2026 परीक्षा के सीतापुरा के आ-ईओएन डिजिटल जोन सेंटर पर हंगामा हो गया। कैंडिडेट्स ने आरोप लगाया कि कंप्यूटर बार-बार बंद हुए, जिससे परीक्षा प्रभावित हुई। दो घंटे में 10 बार तक एग्जाम बाधित हुआ। छात्रों ने पेपर लीक की भी आशंका जताई है। परीक्षा खत्म होने के बाद से सैकड़ों की संख्या में परीक्षार्थी विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। हंगामा बढ़ता देख इस सेंटर की परीक्षा कैंसिल कर दी गई है। इस केंद्र पर अब 5 सितंबर को फिर से परीक्षा होगी।

एग्जाम देने पहुंचे कई डॉक्टर्स ने आरोप लगाया कि परीक्षा के बीच में कई बार अधिकारियों को बुलाने की मांग की गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। अधिकारियों ने बताया कि आ-ईओओन डिजिटल जोन में दो पर-ीक्षा केंद्र हैं। दोनों ही केंद्रों में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। दोनों केंद्रों पर करीब 2500 कैंडिडेट रजिस्टर्ड हैं। अब यहां 5 सितंबर दोपहर 3 बजे से फिर से परीक्षा होगी। सेंटर पर हंगामा बढ़ने के बाद आसपास के थानों से भी पुलिस फोर्स बुलाई गई थी।

छात्रों के अनुसार, परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होनी थी, लेकिन इसे करीब 10 बजे शुरू किया गया। बार-बार बंद होने के बाद कुछ कंप्यूटर्स को फिर से स्टार्ट करने के बाद स्क्रीन पर 3 से 4 सवाल ही दिखाई दिए। जबकि कुछ छात्रों के सिस्टम पर 5 से 6 सवाल आने के बाद फिर कंप्यूटर बंद हो गए। छात्रों का आरोप है कि सेंटर के स्टाफ ने तकनीकी खराबी का कोई कारण नहीं बताया।

विरोध कर रहे छात्रों ने आरोप लगाया कि पुलिस से मामले की शिकायत की तो विरोध प्रदर्शन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। छात्रों का दावा है कि उनसे कहा गया कि यदि वे बाहर प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। वहीं, छात्रों ने आरोप लगाया कि बार-बार सिस्टम बंद होने और अलग-अलग सवाल दिखाई देने के बाद उन्हें परीक्षा की गोपनीयता पर संदेह है।

छात्रों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। पेपरलीक के आरोपों के कारण 3 मई को हुई नीट-यूजी 2026 की परीक्षा रद्द हो गई थी। इसके बाद एनटीए ने 21 जून को दोबारा परीक्षा कराई थी। पेपरलीक के तार जयपुर सहित राजस्थान के कई शहरों से जुड़े थे। इसमें राजस्थान से गिरफ्तारियां भी हुई थीं।

छत्तीसगढ़-बिहार समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली । बिहार में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। पटना का दीघा घाट डूब चुका है। वहीं, बगहा के डुमरिया घाट पर गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। 15 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मध्य प्रदेश के सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से करीब 26 फीट ऊंची बह रही है। घाट किनारे करीब 400 दुकानें डूब चुकी हैं। लोग घरों और होटलों में फंसे हैं। 2 हेलिकॉप्टर के साथ एस-डीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं।

राजस्थान में जयपुर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इस साल मानसून के कमजोर रहने के कारण जयपुर सहित 17 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मध्य प्रदेश के चितहरा रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर कई फीट पानी भर गया है। जलभराव के कारण 24 यात्री ट्रेनें और 20 मालगाड़ियां प्रभावित हुई हैं। छत्तीसगढ़ के कोरबा शहर का दादर नाला उफान पर है। चिमनी भट्टा इलाके में कमर तक पानी भर गया है।

मध्यप्रदेश के चित्रकूट में 300 मीटर लंबा पुल बहा

भोपाल । मध्यप्रदेश में लगातार बारिश से सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में 18 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश से भीषण बाढ़ के हालात हैं। मंदाकिनी नदी करीब 30 फीट ऊंची बह रही है। तेज बहाव में रामघाट का 300 मीटर लंबा पुल बह गया। टोन्स हाइडल प्रोजेक्ट से पानी छोड़े जाने से पहले 36 गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। यूपी, बिहार सहित देश के 4 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है। उत्तर प्रदेश के 47 शहरों में आंधी-बारिश की संभावना है। ओडिशा के तीन जिलों में 67,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, वहीं मौसम विभाग ने राज्य के उत्तरी और तटीय क्षेत्रों में 2 सितंबर तक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है। वहीं, बिहार में गंगा और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं।

नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं युवा : पीएम मोदी

नयी दिल्ली । मन की बात' के 137वां एपिसोड पर पीएम ने कहा कि यह नए प्रयासों को सामने लाने का मंच है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमोट करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति जागरूकता से जुड़ा कंटेंट बनाने को कहा।

पीएम ने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं और 'सूर्यपथ तिरंगा' के जरिए फिजी से लेकर दुनिया भर में तिरंगा शान से फहराया गया। फिजी के सुवा में सूर्य की पहली किरणों के साथ तिरंगा फहराया गया। इसके बाद, तिरंगा एशिया, अफ्रीका, यूरोप और फिर अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारतीय मिशनों और चौकियों पर लहराता रहा।

उन्होंने आगे कहा कि कहा कि देश में एवाकाडो की मांग तेजी से बढ़ रही है और किसान इसकी खेती से शानदार कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के कडपा में किसान वरदराज ने 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में सप्लाई किया। पीएम मोदी ने कहा कि स्वच्छता का संकल्प लोगों की अपनी आदत बन जाए तो पूरी जगह की पहचान बदल जाती है। उन्होंने यूपी के रामपुर स्थित पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया, जिन्होंने 'क्लीन-अप पटवाई' टीम बनाकर युवाओं के साथ मिलकर चार गंगा घाटों की सफाई की, कई तालाब संवारे और एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया।

पीएम मोदी बोले कि आज बेटियों के सपनों की उड़ान अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। भारत के 'मिशन शक्तिसैट' के जरिए 108 देशों की 12 हजार छात्रा-ाओं को सैटेलाइट टेक्नोलॉजी सीखने और इनोवेशन का मौका मिल रहा है।

अवैध बालू उठाव रोकने गई पुलिस-अपराधियों में भिड़ंत

पटना। बिहटा थाने के परेव के पास सोन नदी घाट से नाव पर अवैध रूप से बालू लादने और उससे मनमाना शुल्क वसूलने की शिकायत पर पहुंची पुलिस को कारोबारियों के साथ भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में दोनों तरफ से कई राउंड फायरिंग होने की सूचना है। मिली जानकारी के अनुसार, धंधेबाजों की ओर से करीब 40 राउंड और पुलिस की ओर से अपने बचाव में तकरीबन 22 राउंड कुल 62 राउंड फायरिंग की गई है। दोनों तरफ से हुई इस मुठभेड़ में इंस्पेक्टर राजू कुमार के बांह में गोली लगी वहीं, एक गोली मुठभेड़ में शामिल धंधेबाज अनीश कुमार को लगी है। फायरिंग व झड़प की इस घटना में स्थानीय थानाध्यक्ष अमित कुमार और सहायक थानाध्यक्ष विकास कुमार के भी घायल होने की सूचना मिली है। घायल युवक अनीश को पुलिस ने गिरफ्तार कर इलाज के लिए भर्ती कराया है। पुलिस की माने तो मुठभेड़ में शामिल उसके तीन अन्य साथी मौका देख फरार हो गए। मौके से पुलिस ने काफी संख्या में हथियार, जिंदा कारतूस और एक नाव जब्त किया है।

आइसलैंड ने खारिज किया ईयू में शामिल होने का प्रस्ताव

रेक्याविक। आइसलैंड में एक दशक से शांत पड़ा यूरोपीय संघ में शामिल होने का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। देश की जनता से जब एक सीधे सवाल के जरिए पूछा गया कि क्या आइसलैंड को फिर से यूरोपीय संघ में शामिल होने की बातचीत शुरू करनी चाहिए, तो बहुमत ने इसे साफ तौर पर खारिज कर दिया। राष्ट्रीय प्रसारक आरयूवी की रिपोर्ट के अनुसार, 52.8 प्रतिशत लोगों ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया, जबकि 47.2 प्रतिशत लोगों ने ही इसका समर्थन किया। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पड़ोसी ग्रीनलैंड को लेकर कई बयान दिए थे, जिसके बाद यह जनमत संग्रह आयोजित किया गया। बातचीत के दौरान ट्रंप ने गलती से चार बार 'ग्रीनलैंड' की जगह 'आइसलैंड' का नाम ले लिया था। इसी बयान और सुरक्षा की चिंता को देखते हुए 2024 में चुनी गई आइसलैंड की वामपंथी गठबंधन सरकार ने अगले साल होने वाले जनमत संग्रह को इसी शनिवार को कराने का फैसला किया। ईयू समर्थकों का मानना था कि नाटो सदस्य होने के बावजूद ईयू के साथ जुड़ने से देश को अमेरिकी धमकियों और राजनीतिक दबाव के खिलाफ ज्यादा सुरक्षा मिलेगी। करीब दो लाख 65 हजार योग्य मतदाताओं के सामने केवल 'हां' या 'न' का विकल्प था। शनिवार रात जब वोटों की गिनती शुरू हुई तो शुरूआत में 'हां' पक्ष आगे चल रहा था और पूरे देश में सस्पेंस बना हुआ था। हालांकि, तड़के सुबह तक 'न' कहने वाले वोटों की संख्या बढ़ने लगी। शुरूआत में दोनों पक्षों के बीच सिर्फ कुछ सौ वोटों का अंतर था, लेकिन जैसे ही राजधानी रेक्याविक के बाहर के इलाकों से मतपत्र गिने गए, विरोधियों की बढ़त मजबूत होती चली गई यूरोपीय संघ का विरोध करने वाले समूह का सबसे बड़ा हथियार देश का 'फिशिंग सेक्टर' (मछली पालन उद्योग) था। विरोधियों का कहना था कि आइसलैंड पहले से ही ईयू के सिंगल मार्केट और शेंगेन फ्री-ट्रैवल जोन (यानी यूरोप का एक ऐसा क्षेत्र,जहां देश आपस में अपनी सीमाओं पर पासपोर्ट और अन्य सीमा जांच को समाप्त कर चुके हैं) के फायदों का लाभ उठा रहा है। ऐसे में पूर्ण सदस्यता लेकर देश की संप्रभुता से समझौता करने की कोई जरूरत नहीं है।

नेपाल में मुर्दे बन रहे जिंदा लोगों के लिए खतरा

पीने का पानी हो रहा जहरीला

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा का खतरा अब भले ही कम हो गया है, लेकिन कुछ नए खतरे यहां रहने वाले लोगों के लिए खड़े हो गए हैं। इनमें एक बड़ा खतरा यहां संसाधनों की कमी का पैदा हो गया है। इसके अलावा लगातार बढ़ती मृतकों और उनके शवों की संख्या भी नेपाल सरकार के लिए सिरदर्द बन गई है। दरअसल, नेपाल में जहां बाढ़ आई, उनमें से कई दूर-दराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहद खराब है। इन जगहों पर शव को ठीक ढंग से रखने तक के इंतजाम नहीं है, जिससे खुले रखे शवों के सड़ना इस संवेदनशील क्षेत्र के लिए नया संकट बन गया है। 26 अगस्त (बुधवार) को नेपाल भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल में रविवार सुबह तक के ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हालात अत्यंत गंभीर, चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील बने हुए हैं। आपदा के बाद राहत-बचाव कार्य और शवों के प्रबंधन में सुरक्षाबलों को लगाया गया है। इसके बावजूद समस्याएं बड़े स्तर पर फैली हैं। बाढ़ की वजह से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 734 हो गई है। सबसे ज्यादा शव नदी के बहाव क्षेत्र में सैकड़ों किलोमीटर दूर नीचे बसे जिलों से बरामद किए गए हैं।

इनमें चितवन और नवलपरासी पूर्व सबसे आगे हैं। अभी भी 2,498 लोग लापता हैं। इस सूची में 933 जलविद्युत परियोजना के कर्मचारी, 589 विदेशी नागरिक और उनके साथ यात्रा कर रहे 127 नेपाली शामिल हैं।

Katwa Municipality
Katwa, Purba Bardhaman

e-Tender

The Administrator Katwa Municipality has invited e-Tender against N.I.e.T. No :- WBMAD 12 (DEV/15TH FINN (UH WC)/KM) 2026-27, Tender Id No. 2026_MAD_1039775_1 & N.I.e.T. No :- WBMAD 13 (DEV/MDF/KM) 2026-27, Tender Id No. 2026_MAD_1039788_1 & N.I.e.T. No :- WBMAD 14 (DEV/WS (O And M)/KM) 2026-27, Tender Id No. 2026_MAD_1039794_1. Intending Bidders are requested to Visit the website https://wbtenders.gov.in & www.katwamunicipality.info

Sd/-
Executive Officer
Katwa Municipality

Nagaland State Lotteries
DEAR
WISH SUNDAY WEEKLY LOTTERY
01:00 PM
Draw No:43 Price ₹7/- Draw Date on:30/08/26
1st Prize Amount For Winner ₹1 Crore + For Seller ₹5 Lakhs/- 50H 91078
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- 91078
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
04096 09403 10135 20060 26176
61218 62968 65084 67977 88952
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0812 2017 2452 2802 5446 5447 5995 6672 6864 7180
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0136 0878 1047 1301 1580 2538 5744 6822 7240 8549
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0023 0964 1682 3055 4189 5142 6491 7748 8507 9069
0090 1057 2012 3103 4317 5455 6637 7774 8557 9127
0311 1091 2133 3166 4510 5475 6701 7955 8614 9305
0365 1150 2243 3330 4590 5609 6852 7986 8798 9415
0373 1152 2319 3480 4735 5739 7039 8015 8811 9700
0452 1181 2460 3799 4812 6020 7105 8203 8847 9750
0601 1231 2683 3868 4842 6035 7227 8287 8893 9794
0650 1365 2775 3912 4892 6169 7554 8383 8936 9930
0850 1381 2919 4000 4938 6208 7622 8430 9034 9938
0931 1651 3007 4124 4986 6310 7652 8432 9061 9952
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw

Sikkim State Lotteries
DEAR
EMPIRE SUNDAY WEEKLY LOTTERY
06:00 PM
Draw No : 48 Price ₹7/- Draw Date on : 30/08/26
1st Prize Amount For Winner ₹1 Crore + For Seller ₹5 Lakhs/- 80L 18781
SOLD BY : SELLER - MANORANJAN KARMAKAR - LATABARI & SUB-STOCKIST - NEW MAA MANASHA AGENCY - HAMILTONGANJ
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- 18781
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
07311 24688 44147 47781 61660
66202 85598 88099 88892 95493
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0460 1724 2097 2601 2786 2993 4418 6926 9065 9535
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0610 1605 2412 2920 3609 4349 6618 6659 8351 9840
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0002 0835 2116 3585 4685 5604 6329 7348 8346 9215
0225 0898 2228 3636 4934 5657 6535 7371 8451 9277
0236 0973 2408 3902 4970 5706 6657 7537 8495 9401
0275 1101 2478 3937 5024 5749 6743 7731 8531 9405
0302 1607 2832 4108 5056 5797 6924 7839 8593 9478
0327 1804 2833 4123 5100 5813 7030 7943 8635 9610
0464 1891 2850 4344 5305 5829 7119 7961 8823 9643
0564 1895 3037 4389 5408 5855 7125 7987 8916 9885
0607 1993 3079 4461 5454 6188 7230 8057 8987 9886
0700 2115 3171 4655 5600 6315 7294 8070 9167 9910
Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok
Watch Live Draw On :
sikkimlotteries.com/livedraw

Nagaland State Lotteries
DEAR
MAGIC SUNDAY WEEKLY LOTTERY
08:00 PM
Draw No:43 Price ₹7/- Draw Date on: 30/08/26
1st Prize Amount For Winner ₹1 Crore + For Seller ₹5 Lakhs/- 38K 24110
SOLD BY : SELLER - DEEP SARDAR - DAYABARI & SUB-STOCKIST - NEW DAS AGENCY - RANAGHAT
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- 24110
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-
04957 12638 15239 38655 40222
42262 52991 67557 86247 98379
3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-
0760 0831 1422 1556 3907 4103 4418 4581 5373 9246
4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-
0678 1622 2153 2515 2626 2883 4575 7422 7814 9907
5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-
0022 1022 1768 3283 3805 5413 6586 7440 8136 8983
0028 1078 1885 3311 4027 5513 6626 7695 8160 9072
0218 1146 2036 3387 4210 5543 6700 7706 8221 9104
0363 1245 2249 3498 4251 5670 6732 7714 8227 9127
0462 1307 2346 3598 4474 5733 6913 7729 8435 9139
0476 1332 2403 3630 4477 5755 7087 7772 8478 9521
0501 1517 2513 3699 4737 5930 7133 7848 8488 9568
0580 1518 2727 3713 4794 6031 7225 7887 8512 9729
0889 1596 2776 3741 5133 6151 7286 7892 8560 9855
0965 1650 2819 3762 5333 6189 7380 7949 8763 9936
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On :
nagalandlotteries.com/livedraw
* TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

बर्नपुर आईएसपी विस्तार परियोजना के लिए 854 करोड़ रुपये का ठेका जारी

बर्नपुर। बर्नपुर के लिए बड़ी खुशखबरी है। भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के अधीन आईआईएससीओ इस्पात संयंत्र में चल रही विस्तार परियोजना को बड़ी रफ्तार मिली है। कंपनी ने गोलीकृत अयस्क संयंत्र के पैकेज-दो के लिए 854.57 करोड़ रुपये का ठेका जारी किया है। यह ठेका एसईपीसी लिमिटेड को दिया गया है। इस परियोजना के तहत गोलीकृत अयस्क संयंत्र से जुड़े संयंत्र के शेष कार्य, नागरिक निर्माण तथा ढांचागत कार्य किए जाएंगे। ठेके की कुल कीमत 854 करोड़ 56 लाख 71 हजार 234 रुपये है। भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड की ओर से 4 अगस्त 2026 को ठेका स्वीकृति पत्र जारी किया गया था। ठेका प्राप्त कंपनी को पूरा काम 32 महीने के भीतर पूरा करना होगा। यह परियोजना आईआईएससीओ के 4.08 मिलियन टन प्रतिवर्ष कच्चा इस्पात उत्पादन क्षमता विस्तार कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके पूरा होने के बाद बर्नपुर इस्पात संयंत्र की उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। गोलीकृत अयस्क संयंत्र को इस विस्तार परियोजना की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है, क्योंकि यहां इस्पात उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल को तैयार किया जाएगा।

आसनसोल-बर्नपुर में रोजगार और कारोबार बढ़ने की उम्मीद

इतनी बड़ी परियोजना शुरू होने से आसनसोल-बर्नपुर क्षेत्र में रोजगार और कारोबार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। निर्माण, अभियंत्रण, परिवहन, सामग्री आपूर्ति और ठेकेदारी से जुड़े कारोबारियों तथा कामगारों को इसका लाभ मिलने की संभावना है।

हालांकि इस ठेके से सीधे तौर पर कितने स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, इसकी आधिकारिक जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि आईआईएससीओ विस्तार परियोजना के आगे बढ़ने से बर्नपुर के साथ-साथ पूरे आसनसोल औद्योगिक क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

आरपीएफ ने 12,200 रुपये की अवैध शराब जब्त की

आसनसोल। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सीआईबी यूनिट जसीडीह और मधुपुर पोस्ट की टीम ने जांच अभियान के दौरान 12,200 रुपये मूल्य की अवैध शराब जब्त की। यह कार्रवाई 29 अगस्त 2026 को आसनसोल मंडल क्षेत्र में की गई। आरपीएफ के अनुसार, जांच के दौरान अवैध शराब बरामद होने के बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित आबकारी विभाग को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई ह्यऑपरेशन सतर्कह्न के तहत की गई।

दुर्गापुर में पंडित नेहरू की प्रतिमा हटाकर जंगल में फेंकी

- कांग्रेस ने 24 घंटे का दिया अल्टीमेटम
- भाजपा विधायक ने खारिज किए आरोप

दुर्गापुर। दुर्गापुर में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा हटाए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। कांग्रेस का आरोप है कि क्रेन की मदद से नेहरू की प्रतिमा को उखाड़कर पास के जंगल में फेंक दिया गया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखा गया। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, रक्षाबंधन कार्यक्रम के लिए जगह खाली कराने के नाम पर नेहरू की प्रतिमा को हटाया गया। पार्टी ने इसे देश के प्रथम प्रधानमंत्री का अपमान करार देते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने पुलिस-प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेता मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। उन्होंने प्रतिमा को सम्मानपूर्वक दोबारा स्थापित करने की मांग की। वहीं, दुर्गापुर पूर्व के भाजपा विधायक चंद्रशेखर बनर्जी ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए इसे बेबुनियाद बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले के पीछे कांग्रेस के ही एक गुट और तृणमूल कांग्रेस की मिलीभगत हो सकती है। प्रतिमा किसने हटाई और किसके निर्देश पर हटाई गई, इसे लेकर अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वार्ड 31 में कैरम प्रतियोगिता

आसनसोल। आसनसोल के वार्ड नंबर 31 में कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में भारतीय जनता पार्टी मंडल-1 के महासचिव बबलू विश्वास मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और आयोजकों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन के माध्यम से युवाओं और खेल प्रेमियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कैरम प्रतियोगिता के आयोजन की सराहना की और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। आयोजन के दौरान खेल भावना और उत्साह का माहौल बना रहा।

डुबुर्डिही चेकपोस्ट पर दो ट्रक जब्त, 28 पशु बरामद

आसनसोल। पश्चिम बंगाल-झारखंड सीमा पर कुल्टी थाना क्षेत्र के चौरंगी फाड़ी अंतर्गत डुबुर्डिही चेकपोस्ट के पास पुलिस ने पशु तस्करी की कथित कोशिश को नाकाम करते हुए दो संदिग्ध ट्रकों को जब्त किया है। पुलिस ने दोनों ट्रकों से कुल 28 पशु बरामद किए हैं, जिनमें 15 गाय और 13 भैंस शामिल हैं। जानकारी के अनुसार चेकपोस्ट पर पुलिस टीम वाहनों की नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान दो ट्रकों की गतिविधियां संदिग्ध नजर आईं। पुलिस को संदेह हुआ कि चालक कथित तौर पर रॉन्ग रूट का इस्तेमाल कर चेकिंग से बचने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बाद दोनों ट्रकों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रकों में बड़ी संख्या में पशु पाए गए। पुलिस के अनुसार, दोनों वाहन झारखंड की ओर से पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर कोलकाता की दिशा में जा रहे थे। जांच के दौरान चालक और खलासियों से पशुओं के परिवहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने दोनों ट्रकों को जब्त कर चालक और खलासियों को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि पशुओं को कहां से लाया गया था और उन्हें कहां ले जाया जा रहा था।

दुर्गापुर में बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

दुर्गापुर। दुर्गापुर के लिंक रोड इलाके में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी की घटना को अंजाम दिया। परिवार के अनुसार, चोर घर से करीब 12 लाख रुपये के सोने के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए। बताया गया कि मकान मालिक रवींद्र कुमार काम के सिलसिले में सिंगापुर में रहते हैं, जिसके चलते मकान काफी समय से बंद था। रविवार को परिवार का एक सदस्य घर की साफ-सफाई के लिए पहुंचा तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला।

अंदर जाने पर घर का सामान बिखरा पड़ा था तथा अलमारी और लॉकर भी टूटे हुए थे। परिजनों के मुताबिक, अलमारी में रखे सोने के गहने और नकदी गायब मिले। इसके बाद तत्काल घटना की सूचना दुगार्पुर थाने की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोर घर में कब और किस रास्ते से दाखिल हुए तथा वारदात में कितने लोग शामिल थे। फिलहाल करीब 12 लाख रुपये की चोरी का आंकड़ा परिवार के दावे पर आधारित है। पुलिस का कहना है कि जांच और सत्यापन के बाद ही चोरी हुए सामान और नकदी की वास्तविक कीमत स्पष्ट हो सकेगी।

12 लाख के जेवरात और नकदी ले जाने का दावा

बर्नपुर के नवविकास क्लब में खूंटी पूजा

आसनसोल। दुगार्पूजा के आगमन से पहले ही बर्नपुर इलाके में उत्सव का माहौल बनने लगा है। बर्नपुर के नवविकास क्लब में आगामी दुर्गोत्सव को लेकर खूंटी पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल की पुर एवं नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पाल विशेष रूप से उपस्थित हुईं और विधिवत खूंटी पूजा कर दुर्गोत्सव की तैयारियों का शुभारंभ किया। खूंटी पूजा के साथ ही क्लब में पूजा पंडाल, सजावट और अन्य तैयारियों का सिलसिला शुरू हो गया। इस दौरान क्लब के सदस्यों और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने दुगार्पूजा की तैयारियों की शुरूआत पर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम का खास आकर्षण उस समय देखने को मिला, जब मंत्री अग्निमित्रा पाल ने स्वयं ढाक बजाया। ढाक की थाप के साथ पूरा माहौल उत्सवमय हो गया। खूंटी पूजा के आयोजन के बाद स्थानीय लोगों में आगामी दुर्गोत्सव को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई।

महाल गांव में नवनिर्मित सड़क का उद्घाटन

पांडवेश्वर। पांडवेश्वर विधानसभा क्षेत्र के महाल गांव में नवनिर्मित सड़क का उद्घाटन विधायक जितेंद्र तिवारी ने किया। पश्चिम बर्धमान जिला परिषद की वित्तीय सहायता से बनाई गई इस सड़क की लंबे समय से स्थानीय ग्रामीण मांग कर रहे थे। नई सड़क के निर्माण से महाल गांव सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों के अनुसार, पुरानी सड़क खराब होने के कारण खासकर बरसात के दिनों में आवाजाही काफी मुश्किल हो जाती थी। अब सड़क बनने से यह समस्या दूर होने की उम्मीद है। सड़क निर्माण से किसानों को भी फायदा होगा। वे अपनी फसल को आसानी से बाजार तक पहुंचा सकेंगे। उद्घाटन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

ट्रक से टकराई फॉर्च्यूनर, चालक गंभीर घायल

अंडाल। पश्चिम बर्धमान जिले के अंडाल मोड़ के पास 19 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ओवरब्रिज के ऊपर एक फॉर्च्यूनर कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक के पीछे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में फॉर्च्यूनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही अंडाल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक को कार से बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया और इलाके में जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को सामान्य कराया। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल रहा।

शिक्षा से सशक्त समाज का निर्माण संभव : प्रो. डॉ. रफीद अली

आसनसोल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता के तत्वावधान में बनवारी लाल भालोटिया महाविद्यालय, आसनसोल में एक दिवसीय शैक्षिक जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषय ह्यशिक्षा के माध्यम से सशक्त समाज : विकसित भारत 2047ह्न रखा गया। कार्यक्रम के दौरान दूरस्थ शिक्षा में प्रवेश को लेकर विद्यार्थियों और आम लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अमिताभ बसु ने की। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. डॉ. रफीद अली उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ हाफिज मुहम्मद सना द्वारा पवित्र कुरआन की तिलावत से हुआ। अपने प्रेरणादायक संबोधन में प्रो. डॉ. रफीद अली ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ह्यसबसे शक्तिशाली साधन शिक्षा है, धन-दौलत नहीं। शिक्षा इंसान को इस काबिल बनाती है कि वह आकाश की ऊंचाइयों को छू सके और समुद्र की गहराइयों से हीरा निकाल सके।ह्न उन्होंने केरल के मलप्पुरम जिले का उदाहरण देते हुए कहा कि करीब 25 वर्ष पहले यह क्षेत्र शैक्षिक रूप से पिछड़ा हुआ था, लेकिन सामूहिक प्रयासों और शिक्षा के प्रसार के कारण आज उसने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति, समाज और देश के विकास की मजबूत नींव है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को उच्च शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

आसनसोल-दक्षिण में कोयला अर्थव्यवस्था पर संकट

रोजगार की कमी से लेकर भू-धंसान तक बढ़ी चिंता

आसनसोल। आसनसोल-दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में कोयला अर्थव्यवस्था एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। रानीगंज कोलफील्ड का हिस्सा रहे इस इलाके की अर्थव्यवस्था लंबे समय से कोयला उद्योग पर निर्भर रही है, लेकिन बदलते दौर में रोजगार के अवसरों में कमी, अवैध कोयला खनन और भू-धंसान जैसी समस्याओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तकनीक में बदलाव और खदानों के पुनर्गठन के कारण कोयला खदानों में स्थायी रोजगार के अवसर पहले की तुलना में कम हुए हैं। कभी एक ही परिवार के कई सदस्य ईसीएल में काम करते थे, लेकिन अब युवाओं को अनौपचारिक रोजगार या दूसरे राज्यों की ओर पलायन करना पड़ रहा है।

इसी बीच अवैध कोयला खनन का मामला भी लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अप्रैल 2026 में प्रवर्तन निदेशालय ने दुगार्पुर-आसनसोल क्षेत्र में अवैध खनन, कोयला चोरी और परिवहन से जुड़े मामले में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी।

जांच एजेंसी ने करोड़ों रुपये की अवैध वसूली और संगठित सिंडिकेट का दावा किया था। हालांकि, क्षेत्र में होने वाले हर कोयला कारोबार को अवैध मानना उचित नहीं है और वैध तथा अवैध खनन के बीच अंतर करना जरूरी है। वहीं, आसनसोल-रानीगंज कोल बेल्ट में भू-धंसान लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। पुरानी भूमिगत खदानों के ऊपर बसे कई इलाकों में जमीन के नीचे खोखले हिस्से के कारण अचानक जमीन धंसने और मकानों में दरारें पड़ने की घटनाएं सामने आती रही हैं। जुलाई 2026 में अंडाल में भू-धंसान की घटना के बाद कई घरों में दरारें आई थीं और प्रभावित परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े थे। आसनसोल-दक्षिण क्षेत्र के सामने फिलहाल रोजगार और सुरक्षा दोनों बड़ी चुनौती हैं।

जानकारों का मानना है कि अवैध खनन पर सख्ती के साथ बंद खदानों का वैज्ञानिक तरीके से भराव, संवेदनशील इलाकों की निगरानी और प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास के साथ वैकल्पिक रोजगार के अवसर बढ़ाना जरूरी है। तभी कोयला क्षेत्र पर निर्भर लोगों को सुरक्षित और स्थायी भविष्य दिया जा सकेगा।

माकपा के वरिष्ठ नेता सुजीत दत्ता का निधन

जामुड़िया। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी माकपा के वरिष्ठ नेता और जामुड़िया नगरपालिका के पूर्व वाइस चेयरमैन सुजीत दत्ता का शनिवार सुबह निधन हो गया। उनके निधन की खबर से जामुड़िया के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। सुजीत दत्ता लंबे समय से माकपा से जुड़े रहे और जामुड़िया क्षेत्र में पार्टी के संगठन को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके निधन की खबर मिलते ही पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया। शनिवार दोपहर दिवंगत नेता का पार्थिव शरीर निंघा एम.पी.आई. स्कूल में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। पार्टी की ओर से समर्थकों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों से निर्धारित समय पर पहुंचकर दिवंगत नेता को अंतिम श्रद्धांजलि देने की अपील की गई। सुजीत दत्ता के निधन को माकपा के लिए बड़ी क्षति माना जा रहा है। उनके निधन से जामुड़िया क्षेत्र में पार्टी समर्थकों और आम लोगों के बीच शोक का माहौल है।

आसनसोल में गूंजा खेलेगा इंडिया, जीतेगा इंडिया का नारा

विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी सम्मानित

आसनसोल। युवाओं को खेलों से जोड़ने और खेलकूद के प्रति नई पीढ़ी में उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को आसनसोल में ह्यखेलेगा इंडिया, जीतेगा इंडियाह्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खेल और युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी, आसनसोल रामकृष्ण मिशन आश्रम के महाराज तथा आश्रम के छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने के बाद विधायक ने युवाओं को खेलों से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेलों को बढ़ावा देने की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि देशभर में युवाओं को खेलकूद के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में खेल भावना विकसित करने और उन्हें विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

राहुल श्रीवास्तव बने रोटरी सारनाथ के अध्यक्ष और संजय सचिव

वाराणसी , एजेंसी। रोटरी क्लब वाराणसी सारनाथ के 37वें पद ग्रहण समारोह में शनिवार को ककरमत्ता स्थित एक होटल में मंडलाध्यक्ष पूनम गुलाटी की आधिकारिक यात्रा के दौरान हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष निशा श्रीवास्तव ने नए अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव को कॉलर और हैमर देकर कार्यभार सौंपा। संजय कुमार श्रीवास्तव ने सचिव का पदभार संभाला। चार को नई सदस्यता दिलाई गई। क्लब के वाराणसी क्षेत्र प्रमुख अनिल जाजोदिया ने निवर्तमान टीम को बधाई देते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दी। इस दौरान क्लब में चार नए सदस्य भी शामिल हुए। राहुल श्रीवास्तव ने रोटरी के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। इस दौरान देवेंद्र गोयल, सुषमा श्रीवास्तव, संजय कुमार कपूर, प्रशांत नागर, प्रतिभा सिंह मौजूद रहीं।

खेल सिर्फ शारीरिक ताकत नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का करते हैं निर्माण

गोरखपुर , एजेंसी। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 'फिट पीपल, फिट नेशन' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उदित नारायण पीजी कॉलेज, कुशीनगर के डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि खेल और नियमित शारीरिक गतिविधियां केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक समरसता को भी सुदृढ़ करती हैं।विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉ. क्षमता श्रीवास्तव ने कहा कि स्वस्थ एवं अनुशासित नागरिक ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने दैनिक जीवन में व्यायाम और खेलों को नियमित रूप से शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य प्रो. उमेश कुमार गुप्ता ने की। शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. महेश यादव ने अतिथियों, प्राचार्य, शिक्षक-कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दौड़ में नैना व शैलू तथा लंबी कूद में करण बने विजेता

अलीगढ़ , एजेंसी। ग्राम शहरी मदनगढ़ी में रामदयाल सरपंच की स्मृति में 59 वीं लगसमा खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। रालोद के जिलाध्यक्ष चौधरी कालीचरन सिंह द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। ऊंची कूद बालक वर्ग में अश्विनी कुमार मुरवार प्रथम, करण कुमार पाल खेड़ा द्वितीय, प्रतीक चौधरी नावली तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में करण कुमार पलखेड़ा प्रथम, सुधीर शर्मा आगरा द्वितीय, कृष्ण पलखेड़ा तृतीय स्थान पर रहे। 03 किलोमीटर दौड़ में नैना हाथरस व शैलू तलसेरा संयुक्त रूप से प्रथम, रामकुमार अलीगढ़ दूसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में हेमा चौधरी पायंदापुर प्रथम, ममता कुमारी दोकोली द्वितीय, चंचल चौधरी शहरी मदनगढ़ी तृतीय स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडल में देवीराम शर्मा, विवेक कुमार, जीतू चौधरी, भूपेंद्र कुमार व अजीत रावत शामिल रहे। इस मौके पर जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष शमसाद निसार आजमी आदि मौजूद रहे। आयोजक सुधीर चौधरी ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया।

सिविल लाइंस में चार घंटे बिजली गुल, गर्मी में बेहाल रहे लोग

बरेली , एजेंसी। सिविल लाइंस क्षेत्र में शनिवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहने से दुकानदारों, ग्राहकों और आम लोगों को दिनभर परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रसाद टॉकीज और फैशन प्वाइंट दुकान वाली लाइन में सुबह दस से अपराह्न तीन बजे तक बिजली सप्लाई ठप रही। उमस भरी गर्मी में बिजली गुल रहने से कारोबार भी प्रभावित रहा। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार, सिविल लाइंस इलाके में 60 ट्रांसफार्मरों से सप्लाई दी जाती है। बीते तीन दिनों से लगातार फॉल्ट होने से उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। कपड़ा कारोबारी मनजीत सिंह बिट्टू ने बताया कि सुबह से ही बिजली सप्लाई बाधित हो गई जो दोपहर एक बजे तक भी सुचारु नहीं हो सकी। दुकानों पर व्यापारियों ने इनवर्टर और जनरेटर के सहारे कार्य किया। व्यापारी मनोज ने बताया कि गर्मी के बीच खरीदारी के लिए पहुंचे ग्राहकों को भी परेशानी हुई। सूचना के बाद दोपहर दो बजे विभागीय टीम मौके पर पहुंची। जांच में सिविल लाइंस में लगे एक ट्रांसफार्मर में फॉल्ट मिला। आधे घंटे में मोबाइल ट्रांसफार्मर लगाकर प्रभावित लाइन की बिजली आपूर्ति सुचारु करा दी गई।

शोधकर्ताओं ने सीखा स्वास्थ्य आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण का तरीका

गोरखपुर , एजेंसी। स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े केवल संख्या नहीं बल्कि बेहतर स्वास्थ्य नीति और प्रभावी उपचार की आधारशिला हैं। इन्हीं आंकड़ों को वैज्ञानिक तरीके से समझने और शोध में इस्तेमाल करने का प्रशिक्षण देने के लिए एम्स में आयोजित छह दिवसीय प्रतिबिंब कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। 24 अगस्त से चली कार्यशाला में 16 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 50 शोधकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इनमें 51 प्रतिशत महिलाएं थीं। कार्यशाला में शोधकर्ताओं को आंकड़ों को व्यवस्थित करने से लेकर उनके वैज्ञानिक विश्लेषण तक की प्रक्रिया समझाई गई। महामारी विज्ञान, सांख्यिकीय विश्लेषण, परिकल्पना परीक्षण और शोध निष्कर्षों की व्याख्या का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, जनगणना और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण जैसे प्रमुख आंकड़ा स्रोतों के उपयोग की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण का दायरा यहीं तक सीमित नहीं रहा। बहु-स्तरीय विश्लेषण, भौगोलिक सूचना प्रणाली, स्थानिक महामारी विज्ञान तथा जलवायु और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर शोध की तकनीक भी सिखाई गई। एम्स की कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (डॉ.) विभा दत्ता ने शोध क्षमता मजबूत करने और वैज्ञानिक साक्ष्यों को स्वास्थ्य सेवाओं में प्रभावी कार्यवाही में बदलने पर जोर दिया।

चित्रकूट में बाढ़, दुकानें डूबीं, रेलवे ट्रैक धंसा

प्रयागराज में गंगा उफनाई, 26 जिलों में बाढ़, 1.71 लाख लोग प्रभावित

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में बारिश ने परेशानी बढ़ाई हुई है। चित्रकूट में बाढ़ आई हुई है, यहां दुकानें डूब गई हैं। रेलवे ट्रैक धंस गया है। प्रयागराज में गंगा उफनाई हुई है। मुख्यमंत्री योगी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया है। लगातार बारिश से यूपी के कई जिलों में नदियां उफनाने लगी हैं। मध्य प्रदेश और पहाड़ी इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद शनिवार सुबह मंदाकिनी नदी ने चित्रकूट में भारी तबाही मचा दी है। इससे यूपी-एमपी का संपर्क कट गया है। रेलवे ट्रैक धंसने से ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ। वहीं, प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। पानी संगम क्षेत्र स्थित हनुमान जी के मंदिर के मुख्य द्वार और कॉरिडोर की दीवारों तक पहुंच गया है। प्रशासन लोगों के बचाव व राहत कार्य में लगा है।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के बढ़े जलस्तर व तेज बहाव ने शनिवार को शहर की रफ्तार रोक दी। दोपहर करीब 1:30 बजे नदी का पानी झांसी-मिर्जापुर हाईवे पर कर्वी को जोड़ने वाले पुल के करीब पहुंच गया। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने पुल पर आवागमन बंद कर दिया।

हाईवे बंद होने से कानपुर, प्रयागराज, बांदा, हमीरपुर

समेत कई जिलों की ओर जाने और मुख्यालय आने वाले करीब 10 से 15 हजार राहगीर रास्ते में फंस गए। मंदाकिनी में आई बाढ़ से पूरा रामघाट, आरोग्य धाम पानी से भर गया है।

रामघाट के आसपास की करीब 800 दुकानें पूरी तरह से डूब गईं। काफी संख्या में लोग घरों में कैद हो गए हैं और प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। वहीं कुछ लोग अपना सामान लेकर ऊंचे स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। चित्रकूट-बांदा मार्ग को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतना जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया गया है और सीतापुर शंख चौराहा से वाहनों को रोक दिया गया है। मानिकपुर-सतना मार्ग का कारी बराह पुल टूटा। चित्रकूट के होटलों में सैकड़ों श्रद्धालु फंस गए हैं। जो खिड़कियों और छतों से फंसे होने का वीडियो वायरल कर प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। इधर, गोबरिया में फंसे 50 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

सीएम ने बाढ़ प्रभावितों को बांटी राहत सामग्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बलिया के बांसडीह विधानसभा के बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद बाढ़ राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरित की।

राहत और बचाव कार्यों के लिए 447 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश के 26 जिले इस समय बाढ़ की चपेट में हैं। करीब 1.71 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। 251 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। एक हजार से अधिक लोगों को बाढ़ शरणालयों में रखा गया है। राहत और बचाव कार्यों के लिए 447 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली और बाढ़ की चपेट में आने से मौत होने पर कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है।

एक साल पहले बना पुल पहली ही बारिश में बहा, छह गांवों का संपर्क टूटने से ग्रामीणों की बढ़ीं मुश्किलें

कानपुर , एजेंसी। चित्रकूट जिले के पाठा क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। गौतमपुर, रुखमा खुर्द, डाडी, पंडित पुरवा, फुली पुरवा और नई दुनिया को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग बारिश के बाद पूरी तरह टूट गया है। कल हुई तेज बारिश में पिछले साल बना पुल बह गया, जिससे छह गांवों का आवागमन ठप हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल बहने से उन्हें पांच-छह किमी घूमकर आना-जाना पड़ रहा है।

बच्चों की पढ़ाई और मरीजों को अस्पताल ले जाने में भारी दिक्कत हो रही है। मामले को लेकर बुंदेलखंड मुक्ति मोर्चा ने प्रशासन पर निशाना साधा है। मोर्चा ने सवाल उठाया है कि एक साल पहले बना पुल इतनी जल्दी कैसे बह गया? क्या निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच हुई थी? सरकारी धन से बने निर्माण की जिम्मेदारी किसकी है? मोर्चा ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल मौके का निरीक्षण करे।

स्थायी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण चाहिए : आवागमन बहाल करने के लिए अस्थायी व्यवस्था करे। पुल निर्माण की गुणवत्ता की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करे। मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि पाठा के ग्रामीणों के साथ खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं होगा। विकास के नाम पर खानापूर्ति नहीं, स्थायी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण चाहिए। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन बात नहीं हो सकी।

यूपी के लिए बढ़ी चिंता; बारिश नहीं, पहाड़ का मलबा बन सकता है बाढ़ का टाइम बम

लखनऊ , एजेंसी। नेपाल में आई अचानक विनाशकारी बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के हिमालयी नदियों से जुड़े इलाकों के लिए भी खतरे की चेतावनी दी है। चिंता केवल नेपाल से आने वाली गंडक नदी तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों से निकलने वाली भागीरथी, अलकनंदा और काली-शारदा जैसी नदी प्रणालियों में भूस्खलन, बर्फ या चट्टान खिसकने और मलबे से नदी का रास्ता रुकने की घटनाएं भी अचानक बड़ी बाढ़ का कारण बन सकती हैं।

लखनऊ स्थित बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज के निदेशक व वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. महेश जी ठक्कर ने बातचीत में कहा कि हिमालयी आपदाओं को अब केवल भारी बारिश या बादल फटने के नजरिये से देखना पर्याप्त नहीं है।

घाटियों और मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता है मलबा : उन्होंने कहा कि नेपाल की ताजा घटना में बर्फ, चट्टान और मलबा खिसकने से नदी के रास्ते में अस्थायी रुकावट बनने और फिर अचानक भारी जलप्रवाह के संकेत मिले हैं। ऐसी रुकावट प्राकृतिक बांध का रूप ले सकती है। इसके टूटते ही पानी के साथ बोल्डर व मलबा तेज रफ्तार से नीचे की घाटियों और मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता

है। उत्तराखंड में भी भूस्खलन से नदी रुकने और बाद में प्राकृतिक अवरोध टूटने की घटनाएं हो चुकी हैं। हालिया धराली हादसे ने भी दिखाया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ढलान, ग्लेशियर और मलबे में हलचल अचानक विनाशकारी बहाव का रूप ले सकती है।

यूपी के निचले इलाकों तक असर डाल सकता है जलप्रवाह : प्रो. ठक्कर ने बताया कि ऐसी घटनाओं का असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। नेपाल की त्रिशूली नदी आगे नारायणी और फिर गंडक नदी प्रणाली से जुड़ती है। इसलिए वहां अचानक बढ़ा जलप्रवाह और मलबा यूपी के निचले इलाकों तक असर डाल सकता है। भागीरथी और अलकनंदा गंगा प्रणाली का हिस्सा हैं, जबकि काली और उसकी सहायक नदियां शारदा नदी तंत्र से जुड़ती हैं। ऐसे में प्रदेश को स्थानीय बारिश के साथ हिमालयी गतिविधियों पर भी नजर रखनी होगी।

हिमालयी कैचमेंट में रियल टाइम चेतावनी प्रणाली मजबूत करने पर जोर : उन्होंने सक्रिय बाढ़ मैदानों, पुराने नदी मार्गों और प्राकृतिक जल निकासी क्षेत्रों के करीब अंधाधुंध निर्माण को बड़ा जोखिम बताया। उनके अनुसार केवल तटबंध पर्याप्त नहीं हैं।

नेपाल से उत्तराखंड तक पूरे हिमालयी कैचमेंट में उपग्रह निगरानी, जलस्तर मापने वाले यंत्र, रिमोट सेंसर और रियल टाइम चेतावनी प्रणाली मजबूत करनी होगी, ताकि ऊपरी क्षेत्रों में नदी रुकने या प्राकृतिक अवरोध बनने की सूचना तत्काल निचले जिलों तक पहुंच सके।

एलडीए के विध्वंस आदेश के खिलाफ भवन मालिक की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट ने अलीगंज अग्निकांड मामले में इमारत के मालिक की याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया है। याचिका में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के विध्वंस आदेश और बाद की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। न्यायालय ने भवन के सह-मालिक बीरेंद्र प्रसाद शुक्ला को कानून के तहत उपलब्ध अपील का वैधानिक उपाय अपनाने की अनुमति दी है। शुक्ला ने एलडीए के 10 जुलाई के विध्वंस आदेश, 25 जुलाई को हुए विध्वंस और 26,14,210 रुपये की लागत की मांग को चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास शहरी नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27(2) के तहत वैकल्पिक वैधानिक उपाय उपलब्ध है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को विध्वंस आदेश के विरुद्ध एक सप्ताह के भीतर अपील

दायर करने की अनुमति दी है। इससे उसे कानून के तहत अनुमत राहत प्राप्त हो सकेगी। कोर्ट ने कहा कि अपील को समय सीमा या विलंब के आधार पर खारिज नहीं किया जाएगा।

याचिकाकर्ता के तर्क : याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि विध्वंस आदेश के बाद मालिक को स्वयं भवन ध्वस्त करने के लिए 15 दिन का समय मिलना चाहिए। यह अवधि विध्वंस नोटिस की तामील की तारीख से गिनी जाती है। याचिकाकर्ता के अनुसार, आदेश 10 जुलाई को जारी हुआ और 13 जुलाई को तामील किया गया था, लेकिन 15 दिन की अवधि समाप्त होने से पहले ही 25 जुलाई को इमारत ध्वस्त कर दी गई। वहीं, उसे शुरुआत में विध्वंस आदेश की प्रमाणित प्रति भी नहीं दी गई थी।

एलडीए का पक्ष : एलडीए के वकील ने बताया कि धारा 27(1) के तहत नोटिस 23 जून को जारी हुआ था। आपत्तियां 8 जुलाई को दर्ज की गईं और 10 जुलाई को विध्वंस आदेश पारित हुआ। आदेश परिसर में चिपकाया गया था और उसकी एक प्रति 13 जुलाई को याचिकाकर्ता को दी गई। एलडीए ने बताया कि आदेश चिपकाने की तारीख से 15 दिन इंतजार करने के बाद 25 जुलाई को इमारत ध्वस्त की गई।

न्यायालय की टिप्पणी : न्यायालय ने कहा कि विध्वंस से पहले अपील दायर करना बेहतर होता। हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि इमारत गिराए जाने के बावजूद, वैधानिक अपील दायर होने पर विध्वंस आदेश की वैधता पर विचार हो सकता है। यदि विध्वंस आदेश अवैध पाया जाता है, तो उसे रद्द किया जा सकता है। याचिकाकर्ता आवश्यकता पड़ने पर एलडीए या किसी अन्य व्यक्ति के विरुद्ध उचित न्यायालय में राहत मांग सकता है।

यायालय ने यह प्रश्न खुला रखा कि क्या विध्वंस आदेश कानून के अनुसार तामील हुआ था।

कैचमेंट एरिया में न हो निर्माण... पानी बढ़ने पर अपना प्राकृतिक क्षेत्र कवर करती है नदी

गोरखपुर , एजेंसी। नेपाल में आई बाढ़ को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) के तौर पर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, नदी के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र में बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप भी नुकसान को बढ़ा रहा है।

एमएमएमयूटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि नदी के कैचमेंट एरिया में निर्माण नहीं होना चाहिए। नदी में पानी बढ़ने पर वह अपने प्राकृतिक क्षेत्र को कवर करती है। यदि इस क्षेत्र में पहले से मकान या अन्य निर्माण हैं तो बाढ़ के दौरान नुकसान की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक व्यवस्था में हस्तक्षेप से आपदा का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। उन्होंने बताया कि बांध बनाने के दौरान नदी के प्राकृतिक प्रवाह को नियंत्रित किया जाता है। बांध में बड़ी मात्रा में पानी जमा होता है, इसलिए किसी संभावित खतरे को देखते हुए अलार्मिंग सिस्टम और समय पर सूचना प्रसारित करने की व्यवस्था जरूरी है। बांध निर्माण के साथ डैम ब्रेक एनालिसिस भी किया जाता है, जिससे बांध टूटने की स्थिति में संभावित प्रभाव का आकलन किया जा सके। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि नेपाल की घटना को फिलहाल जीएलओएफ के नजरिये से देखा जा रहा है। ग्लेशियरों के पिघलने और छोटी झीलों के बनने से जोखिम बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता लेकिन समय रहते तैयारी और अलर्ट के जरिए इसके नुकसान को कम किया जा सकता है। प्राकृतिक नदी तंत्र को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर नियंत्रण जरूरी है।

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी हिमनदी झील विस्फोट बाढ़ एक अचानक आने वाली भयंकर बाढ़ है, जो तब आती है जब पहाड़ों पर ग्लेशियर के पिघलने से बनी झील का प्राकृतिक बांध (मोरेन या मलबे की दीवार) टूट जाता है और भारी मात्रा में पानी तेजी से नीचे की घाटियों में बहने लगता है।

बिहार में बड़े पैमाने पर तबादला,

27 डीएसपी का ट्रांसफर, एसटीएफ-निगरानी के अफसरों की पोस्टिंग

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार के गृह विभाग ने कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस सेवा के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर स्थानांतरण किया है। सरकार की ओर से जारी आदेश के तहत कई पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस प्रशासनिक बदलाव से विभिन्न जिलों में पुलिसिंग को मजबूत करने की कवायद शुरू हो गई है।

पटना समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर नई तैनातीः स्थानांतरण सूची के अनुसार सोनू कुमार राय को पुलिस अधीक्षक प्रशासन, पटना की जिम्मेदारी दी गई है। उमेश कुमार चौधरी को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, फुलवारी शरीफ बनाया गया है, जबकि प्रेमचंद सिंह को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, छपरा का प्रभार सौंपा गया है। सुशील कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर आरा नियुक्त किया गया है।

रेल और अन्य अनुमंडलों में भी बदलावः गुलशन कुमार को पुलिस उपाधीक्षक, रेल गया पद पर तैनात किया गया है। प्रशांत कुमार को अनुमंडल पुलिस

पदाधिकारी, सदर बेगूसराय की जिम्मेदारी मिली है, वहीं राजेश कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हथुआ गोपालगंज के पद पर नियुक्त किया गया है। ये बदलाव स्थानीय स्तर पर अपराध नियंत्रण और पुलिस निगरानी को प्रभावी बनाने में सहायक माने जा रहे हैं।

उत्तर बिहार के जिलों में भी अधिकारियों का फेरबदलः सत्येंद्र राम को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, रामनगर बगहा बनाया गया है। अजय कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर मधेपुरा की जिम्मेदारी दी गई है। पवन कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बीरपुर सुपौल नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज कुमार सिंह को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सहरसा का प्रभार सौंपा गया है।

मुंगेर समेत अन्य क्षेत्रों में नई नियुक्तियांः अभय कुमार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खड़गपुर मुंगेर की जिम्मेदारी दी गई है। इन तबादलों के साथ सरकार ने कई अन्य पुलिस अधिकारियों को भी नई भूमिकाएं सौंपी हैं। गृह विभाग के आदेश के तहत कुल मिलाकर कई जिलों में पुलिस प्रशासनिक ढांचे को पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

अनुमंडल स्तर के बदलाव क्यों महत्वपूर्णः अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी स्तर पर होने वाले ये बदलाव स्थानीय कानून-व्यवस्था के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे हैं। ये अधिकारी थाना स्तर की पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण, संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई और क्षेत्रीय निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नई तैनातियों से इन क्षेत्रों में पुलिसिंग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

अपराध नियंत्रण पर सरकार का फोकसः बिहार में लगातार कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस महकमे में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। सरकार का जोर पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर है। अधिकारियों को उनकी योग्यता और जिम्मेदारी के अनुरूप महत्वपूर्ण पदों पर तैनात करने की प्रक्रिया जारी है।

राजधानी और अन्य क्षेत्रों में प्रभावः पटना में सोनू कुमार राय को एसपी प्रशासन की जिम्मेदारी दिए जाने से राजधानी की पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव देखने को मिलेगा। फुलवारी शरीफ, छपरा, आरा, बेगूसराय, गोपालगंज, मधेपुरा, सुपौल, सहरसा, बगहा और मुंगेर जैसे क्षेत्रों में नए अधिकारियों की तैनाती से स्थानीय पुलिसिंग मजबूत होने की संभावना है। सरकार आम लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस प्रशासनिक प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है।

Registered No.KOL. RMS/350/2015-17
प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

ब्रिटिश मास्टर्स के कट में पहुंचे भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा

ब्रैबाज़ोन कोर्स (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने चुनौतीपूर्ण मौसम और लगातार बारिश के बावजूद ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले दौर में 69 और दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेलकर टूर्नामेंट के कट में आसानी से जगह बना ली।

दो राउंड के बाद शुभंकर का कुल स्कोर चार अंडर है और वह संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर बने हुए हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय गोल्फर ने प्रतियोगिता के अगले

दौर में अपनी जगह पक्की कर ली है।

दूसरे दौर में पांच बर्डी से मजबूत प्रदर्शन

शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेला। इस दौरान उन्होंने दो बोगी की तुलना में पांच बर्डी लगाईं। लगातार बारिश और मुश्किल मौसम की परिस्थितियों के बीच बर्डी हासिल करना उनके शानदार नियंत्रण और धैर्य को दर्शाता है। हालांकि दूसरे दौर में उन्हें कुछ बोगी का सामना करना पड़ा, लेकिन पांच बर्डी की मदद से उन्होंने अपने स्कोर को नियंत्रण में रखा और कट पार करने में सफल रहे।

चुनौतीपूर्ण मौसम में दिखाया धैर्य

ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर के दौरान मौसम खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। बेलफ्राई में लगातार बारिश के कारण परिस्थितियां मुश्किल थीं और खिलाड़ियों को अपने शॉट्स और रणनीति पर अतिरिक्त ध्यान देना पड़ा। ऐसे हालात में शुभंकर ने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले दौर में 69 का स्कोर बनाने के बाद उन्होंने दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेला और चार अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष 15 में जगह बनाई।

संयुक्त 13वें स्थान पर शुभंकर

दो राउंड के बाद शुभंकर शर्मा चार अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 13वें स्थान पर हैं। उनका प्रदर्शन उन्हें टूर्नामेंट के अगले चरण में मजबूत स्थिति में रखता है। पहले दौर के 69 और दूसरे दौर के 71 के कार्ड ने उन्हें कट के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अब उनकी कोशिश अगले दौर में इस लय को बरकरार रखते हुए अपनी रैंकिंग में और सुधार करने की होगी।

युवराज संधू के लिए निराशाजनक सप्ताह

वहीं, प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे दूसरे भारतीय गोल्फर युवराज संधू के लिए यह सप्ताह उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पहले दौर में 71 का कार्ड खेला, लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन गिर गया और उन्होंने 77 का कार्ड दर्ज किया। दोनों राउंड के बाद युवराज कट हासिल करने में सफल नहीं हो सके और उनका टूर्नामेंट यहीं समाप्त हो गया।

शुभंकर से अब बड़ी उम्मीदें

शुभंकर शर्मा का कट हासिल करना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक खबर है। चार अंडर के कुल स्कोर और संयुक्त 13वें स्थान के साथ वह टूर्नामेंट में अच्छी स्थिति में हैं। लगातार बारिश और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उन्होंने जिस तरह शुरुआती दो राउंड में प्रदर्शन किया, उससे अब प्रतियोगिता के आगे के चरणों में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। शुभंकर की नजर अब अपनी स्थिति को और मजबूत करने और टूर्नामेंट के अंतिम दौर तक प्रभावी प्रदर्शन करने पर होगी।

मेसी के 4 गोल से इंटर मियामी जीता, लीग में सीजन के टॉप गोल स्कोरर बने

ब्राजील (एजेंसी)। लियोनेल मेसी के 4 गोल की मदद से इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से हरा दिया। मेजर लीग सॉकर (एमएमएस) में लगातार 5 मैच हारने के बाद मियामी को यह जीत मिली है।

39 साल के लियोनल मेसी सात में से पांच गोल में शामिल रहे। उन्होंने चार गोल किए और लुइस सुआरेज को गोल करने में असिस्ट भी किया।

मेसी ने इस सीजन के 19 मैचों में 18 गोल किए हैं। वे लीग के टॉप गोल स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने एफसी डलास के पीटर मूसा के 16 गोल को पीछे छोड़ा। साथ ही मेसी ने एमएलएस रूल्स के इतिहास में सबसे कम मैचों में 20 मल्टी गोल मुकाबले पूरे किए। उन्होंने सिर्फ 74 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

इंटर मियामी के लिए मेसी ने पहली बार एक मैच में 4 गोल किए। किसी भी लीग में उनकी यह परफॉर्मेंस 6 साल बाद आई है। इससे पहले फरवरी 2020 में उन्होंने ला लिगा में बार्सिलोना की ओर से एइबार के खिलाफ 4 गोल किए थे। उन्होंने करियर में 8वीं बार किसी मैच में 4 या उससे अधिक गोल किया है।

इंटर मियामी ने 20वें मिनट में बढ़त बनाई। तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कासेमिरो ने हेडर से गोल किया। यह क्लब के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से मॉन्ट्रियल ने स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके 3 मिनट बाद ही मेसी ने फ्री किक पर गोल कर मियामी को फिर बढ़त दिला दी। गेंद गोलकीपर थॉमस गिलियर से आगे जाने से पहले एक खिलाड़ी से टकराकर दिशा बदल गई। इस गोल के बाद दूसरे हाफ में मियामी ने लगातार हमले किए।

दूसरे हाफ के सातवें मिनट में मेसी ने शानदार गोल किया। उन्होंने गेंद लेकर मॉन्ट्रियल के डिफेंस में प्रवेश किया और खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए दाएं पैर से गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया।

इसके बाद मियामी ने कुछ समय के लिए खेल की रफ्तार धीमी की। 80वें मिनट में मेसी ने गोल करने के बजाय लुइस सुआरेज को पास दिया। सुआरेज ने गोलकीपर के सामने से बॉल निकालकर गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। तीन मिनट बाद मेसी ने अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके बाद 89वें मिनट में 18 साल के अलेक्जेंडर शॉ ने गोल किया। फिर स्टॉपेज टाइम के दौरान मेसी ने एक और सीधी फ्री किक को गोल में पहुंचाकर स्कोर 7-1 कर दिया।

ईशान किशन को चोट लगी, वैभव सूर्यवंशी ने कप्तानी संभाली

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन का स्कोर- 81/3, रजत पाटीदार 12 रन बनाकर आउट

बेंगलुरु (एजेंसी)। ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेला जा रहा है। मैच के पहले ही दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन चोटिल हो गए। इसके बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टीम की कमान संभाली।

बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सेंट्रल जोन ने पहले सेशन में 3 विकेट पर 81 रन बनाए। टीम के कप्तान रजत पाटीदार सिर्फ 12 रन बनाकर मुकेश कुमार की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए।

सूर्यवंशी पहली बार कप्तानी कर रहे

सूर्यवंशी ने पहली बार किसी सीनियर पुरुष टीम की कप्तानी संभाली है। सूर्यवंशी का यह सिर्फ दूसरा दलीप ट्रॉफी मैच है।वह अब तक नौ फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान इस फॉर्मेट में ऐतिहासिक डेब्यू किया था और वह इस फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हैं।

ईशान किशन की कलाइ ' में लगी गेंद

विकेटकीपिंग करते समय ईशान किशन के दाहिने हाथ की कलाई पर गेंद लगी। फिजियो ने उनकी जांच की। इसके बाद किशन ने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया। कुछ देर बाद किशन के हाथ पर स्ट्रैपिंग बंधी दिखाई दी। उनकी जगह कुमार कुशाग्र विकेटकीपिंग कर रहे।

वैभव ने पिछले मैच में 2 विकेट लिए थे

वैभव ने नॉर्थ-ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 3 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए थे। हालांकि बतौर बल्लेबाज वे पहली पारी में सिर्फ 8 रन बना सके। ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गावस्कर बोले- टेस्ट में नो-बॉल फेंकने पर जुर्माना लगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों को नो-बॉल डालने से रोकने के लिए अनोखा फॉर्मूला दिया है। गावस्कर ने कहा कि हर नो-बॉल पर खिलाड़ी पर जुर्माना लगे और अगली गलती पर इसे दोगुना कर दिया जाए। साथ ही उन्होंने गेंदबाजी कोच को भी आधा जुर्माना देने का सुझाव दिया। गावस्कर ने मिड-डे के अपने कॉलम में लिखा- 'इकट्ठा हुई रकम का इस्तेमाल खिलाड़ियों के अलग होने से पहले होने वाले टीम डिनर में किया जा सकता है।' उन्होंने कहा- ऐसी मजेदार गतिविधि से खिलाड़ियों के बीच रिश्ता और मजबूत होगा। दरअसल श्रीलंका टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों ने कुल 20 नो-बॉल डाले। पहले टेस्ट में 7 और दूसरे में 13 नो-बॉल फेंके गए। पिछले 5 साल में रवींद्र जडेजा 88 से ज्यादा नो-बॉल डाल चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज भारत 1-0 से जीता। कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था। गावस्कर ने दूसरी गलतियों पर भी जुर्माना लगाने को कहा। उन्होंने लिखा- ओवरथ्रो पर बैकअप न देने जैसी गलतियों पर भी टीम वोटिंग से जुर्माना तय किया जा सकता है।% गावस्कर ने साफ किया कि रन-अप मापने के लिए टेप उपलब्ध रहता है, इसलिए क्रीज से आगे पैर निकलने का कोई बहाना नहीं चलेगा। नो-बॉल की परेशानी पर भारतीय स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने मजाक करते हुए कहा था कि इसे रोकने के लिए टेस्ट में भी फ्री-हिट शुरू कर देनी चाहिए। इससे गलती रोकने में मदद मिलेकी। गावस्कर ने बहुतुले के इस विचार को खारिज किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट में बल्लेबाजों को मुफ्त के रन देने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

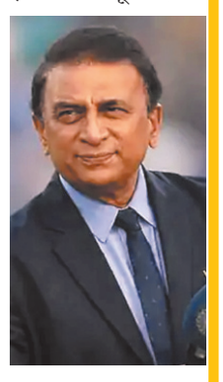

मेट्रो में सफर करते नजर आए श्रीनाथ, लोग हुए कायल

● वनडे में 315 और टेस्ट में 236 विकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने उस समय सभी का दिल जीत लिया जब वह मेट्रो में आम इंसान की तरह सफर करते हुए नजर आए। 12 साल के अपने इंटरनेशनल करियर में श्रीनाथ ने भारत के लिए 67 टेस्ट और 229 वनडे मैच खेले और 550 से ज्यादा विकेट लिए। रिटायरमेंट के बाद वह ज्यादातर समय मैच रेफरी रहे हैं और कई अहम मैचों में अपनी भूमिका निभाई है। वह

सोच-समझकर बात करने वाले और बहुत शांत स्वभाव के इंसान हैं और कभी-कभी मजाकिया भी हो जाते हैं। लिंक्डइन पर एक पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसे हजारों लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स मिले हैं। इसमें एक तस्वीर है जिसमें श्रीनाथ मेट्रो कोच में दीवार के सहारे खड़े हैं और एक हाथ से अपना ट्रॉली बैग पकड़े हुए हैं। उन्होंने सादे कपड़े पहने हैं - शर्ट को जींस के अंदर टक किया हुआ है और पैरों में बहुत साधारण लेदर के जूते पहने हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह तस्वीर शेयर करने वाले व्यक्ति ने लिखा, सादगी की मिसाल ! एक ऐसा व्यक्ति जिसने वनडे में 315 और टेस्ट में 236 विकेट लिए, जो वनडे में 300 विकेट का आंकड़ा पार करने वाले एकमात्र भारतीय तेज गेंदबाज हैं, और जिन्होंने चार वर्ल्ड कप 1992, 1996, 1999 और 2003 में भारत का प्रतिनिधित्व किया, वह मेट्रो कोच में चुपचाप खड़े हैं - असल महानता को शोर मचाने की जरूरत नहीं होती। दूसरी तरफ ऐसे क्रिकेटर भी हैं जो लेम्बोर्गिनी चलाते हैं, रोलेक्स घड़ी पहनते हैं और अपनी महंगी छुट्टियों का दिखावा करते हैं, जबकि खेल के मैदान में उनकी उपलब्धियां उतनी नहीं होतीं।

डियर साप्ताहिक लॉटरी पूर्व बर्द्धमान निवासी ने ₹ 1 करोड़ जीते

पूर्व बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल से श्रीमती फातेमे खातून ने **21.06.2026** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **38E 71305** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "किसी भी परिवार के लिए जब आर्थिक अवस्था स्थिर होती है तो जीवन आसान हो जाती है। बेहतर स्थिर आर्थिक आधार के हम विकास का अनुमान नहीं लगा सकते।डियर लॉटरी आम लोगों को अपने जीवन में एक परीक्षण करने का आदर्श मंच प्रदान करती है," विजेता ने कहा।

*विजेता का विवरण सरकारी वेबसाइट से लिया गया है।

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रितेश वाजपेयी द्वारा 4,केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता -15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। **संपादक : रितेश वाजपेयी।**
Phone: 2236-1572,4800 9234, E-mail-bharatmitral@gmail.com, Fax No.-033-3315-1533, **हवाई शुल्कः** अगरतला 6 रुपये,गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन